लखनऊ

मंगलवार, 16 जून, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 290

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

सूरज खिलने का वक्त हो गया फूल खिलने का वक्त हो गया मीठी नींद से जागो मेरे दोस्त सपने हकीकत में बदलने का वक्त हो गया।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

## स्लोवाकिया पहुंचे पीएम मोदी, नमक रोटी से क्यों हुआ स्वागत? पहले भारतीय प्रधानमंत्री की है यात्रा

**ब्रातिस्लावा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विदेश दौरे के दूसरे चरण में स्लोवाकिया पहुंचे हैं। पीएम मोदी (भारतीय समय के हिसाब से) सोमवार सुबह स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में उतरे। यहां उनका स्लोवाकिया सरकार और भारतीय समुदाय ने जोरदार स्वागत किया है। पीएम मोदी को पारंपरिक 'ब्रेड-और-नमक' देकर वेलकम किया गया। स्लोवाकिया को साल 1993 में आजादी मिलने के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की यह पहली यात्रा है।

ब्रातिस्लावा में अपने दो दिन के प्रवास के दौरान पीएम मोदी स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के मौकों पर चर्चा करने के लिए स्लोवाकिया के प्रमुख बिजनेस लीडर्स से भी मुलाकात करेंगे।

### ब्रेड एंड सॉल्ट से स्वागत

स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराज ब्लानार ने मोदी का स्वागत किया और उन्हें पारंपरिक 'ब्रेड-एंड-सॉल्ट' (रोटी और नमक) से स्वागत किया गया। स्लोवाक और व्यापक स्लाव संस्कृति में यह तरीका देश की मेहमाननवाजी, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक है।

परंपरा के अनुसार, ब्रेड समृद्धि, जीवन-निर्वाह और धरती की नेमतों को साझा करने का प्रतीक है, जबकि नमक स्थायी मूल्य, अटूट दोस्ती और सुरक्षा का प्रतीक है। मोदी के स्वागत समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया और जीवंत लोक नृत्य भी स्थानीय कलाकारों ने पेश किया।

### भारत-स्लोवाकिया संबंध

पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा भारत-स्लोवाकिया संबंध मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते खोलने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद स्लोवाकिया पहुंचे। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत की और इनोवेट्स कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया।

स्लोवाकिया की यात्रा पूरी करने के बाद पीएम मोदी 16-17 जून को एवियन में G7 समिट में हिस्सा लेने के लिए वापस फ्रांस जाएंगे। यहां वे G7 नेताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आर्थिक विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वह समिट के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

### पीएम मोदी का दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र 13 जून से मोदी फ्रांस और स्लोवाकिया की छह दिन की यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य इन दोनों यूरोपीय देशों के साथ भारत की साझेदारी और प्रगाढ़ करना है। यात्रा के दूसरे चरण में वह स्लोवाकिया में हैं। स्लोवाकिया में करीब 9,200 भारतीय रहते हैं और देश के अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी अपनी यात्रा के तीसरे चरण में 16 और 17 जून को फ्रांस के एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। मोदी 18 जून को यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप कार्यक्रम विवाटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पेरिस जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के पेरिस में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित कर सकते हैं।

## संक्षेप

### डूबने से चार की मौत: जबलपुर में दो युवक, शिवपुरी में दो चचेरे भाइयों की जान गई

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में दर्दनाक हादसा हुआ। जबलपुर में नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। इधर, शिवपुरी जिले में तालाब में डूबने से दो चचेरे भाइयों की जान चली गई। घटना के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। वहीं पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। मर्ग कायम कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जिले के गौर चौकी अंतर्गत सिलुआ घाट पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। नहाने के दौरान दो युवक गहरे पानी में समा गए। मृतकों की पहचान सिलुआ चौड़ा निवासी सागर पटेल (18) और ध्रुव पटेल (19) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे गांव में मातम का माहौल पसरा हुआ है। हंसते-खेलते दो युवाओं की असमय मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं और उनके घरों में कोहराम मचा है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नहाते समय दोनों युवक अचानक गहरे पानी में कैसे चले गए। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों ने घाट पर सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल उठाए हैं। जिले के दिनारा इलाके से लगभग 15 किमी दूर स्थित ग्राम सिनदउआ निवासी अनिकेत (11)पुत्र नारायण पाल अपने चचेरे भाई शिवकुमार (12) पुत्र लक्ष्मण पाल के साथ रविवार सुबह अपनी भैंसे चराने के लिए गांव के पास स्थित तालाब किनारे गया हुआ था। दोपहर 1 बजे तक जब दोनों वापस नहीं आए तो परिजन इनकी तलाश में तालाब किनारे पहुंचे। जहां दोनों के कपड़े तालाब के पास मिले।

### विकसित भारत 2047 और फ्रांस 2030 नवाचार संबंधों के लिए समान अवसर प्रदान करते हैं: सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत का विकसित भारत 2047 विजन और फ्रांस की फ्रांस 2030 महत्वाकांक्षा भविष्य उन्मुख नवाचार साझेदारी को मजबूत करने के लिए कई समान अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उभरती और परिवर्तनकारी तकनीकों में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत और फ्रांस ने इसी उद्देश्य से इंडिया-फ्रांस इनोवेशन रोडमैप 2030 को अपनाने पर सहमति जताई है। यह रोडमैप महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों के सह-विकास, भरोसेमंद तकनीकी इकोसिस्टम को मजबूत करने, शिक्षा एवं शोध क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाने और लोगों, पर्यावरण तथा साझा समृद्धि के लिए ठोस परिणाम देने की दिशा में दोनों देशों के सहयोग का मार्गदर्शन करेगा। दोनों देशों ने माना है कि नवाचार आर्थिक मजबूती, सतत विकास, रणनीतिक स्वायत्तता तथा तकनीकी और औद्योगिक संप्रभुता का प्रमुख आधार है। बयान के अनुसार, भारत और फ्रांस का मानना है कि मजबूत नवाचार साझेदारी दोनों देशों की पूरी नवाचार क्षमता को सामने लाने में मदद करेगी और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# 'अब टिकाऊ और अंतिम समझौते की उम्मीद' अमेरिका-ईरान की पीस डील पर बोले पीएम मोदी

### अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता

अमेरिका और ईरान ने तीन महीने से ज्यादा समय से चल रहे विवाद को खत्म करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा की है। दोनों पक्षों ने पुष्टि की है कि शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड में एक औपचारिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। न्यूज़ एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित डील में मिलिट्री ऑपरेशन खत्म करना, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना और अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी हटाना शामिल है, जबकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भविष्य की बातचीत के लिए छोड़ दिया गया है। मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान ने घोषणा की कि दोनों देश इस बात पर सहमत हो गए हैं कि लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और स्थायी रूप से बंद किया जाए।

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा हो चुकी है और शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में इस पर हस्ताक्षर होने हैं। इसका दुनिया भर के नेताओं ने स्वागत किया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संघर्ष खत्म करने के लिए बनी इस सहमति का वह स्वागत करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।'

### ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर इस बड़ी कामयाबी की घोषणा करते हुए कहा, 'ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो गया है। सभी को बधाई! मैं इसके जरिए होर्मुज स्ट्रेट को बिना किसी शुल्क के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजो, अपने इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह शुरू होने दो!'

## नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी बोले – किसानों ने यूपी के विकास का नया इतिहास रचा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गौतम बुद्ध नगर और देश के एविएशन सेक्टर के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया और इस प्रोजेक्ट की सफलता का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन देने वाले किसानों की सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एयरपोर्ट उनके सहयोग और सरकार की समय पर काम पूरा करने की प्रतिबद्धता की वजह से ही बन पाया है। उन्होंने कहा कि जेवर, गौतम बुद्ध नगर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूरे देश के एविएशन सेक्टर के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि भारत के सबसे बेहतरीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स में से एक से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो गई हैं।

प्रोजेक्ट के शुरुआती दौर को याद करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी थी और अधिकारियों के लिए सख्त समय-सीमा तय की गई थी। उन्होंने कहा कि मैंने ज़िला मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारियों को 100 दिनों के भीतर ज़मीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने की समय-सीमा दी थी। एक चुनौती थी, लेकिन किसानों ने हम पर भरोसा जताया। उन्होंने आगे कहा कि ज़मीन अधिग्रहण के दौरान शुरू में जो विरोध हुआ, उसे बातचीत से सुलझा लिया गया। उन्होंने कहा कि मैंने लगभग 100 किसानों के साथ बैठकर उन्हें समझाया कि यह विकास का एक सुनहरा मौका है। आपकी ज़मीन एक नए भविष्य की नींव बनेगी। इलाके में आए बदलाव का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर, जो कभी अपराध और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था, अब विकास के एक बड़े केंद्र के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से कार्गो सुविधाओं, एयरक्राफ्ट की देखरेख और ग्लोबल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे विदेशी हब पर भारत की निर्भरता कम होगी। आदित्यनाथ ने आने वाले समय में बनने वाले संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर का भी ज़िक्र किया, जिसमें यमुना अथॉरिटी के तहत टाटा सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस, कई स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, डिग्री कॉलेज, मेडिकल और स्पोर्ट्स सुविधाएं, ट्रॉमा सेंटर और ओलंपिक स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक इनडोर स्टेडियम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। जेवर ने अब इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को एविएशन और इंडस्ट्री के नए मौकों के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी और तैयार किया जाएगा। उन्होंने किसानों, जिनमें महिला प्रतिभागी भी शामिल थीं, को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह प्रोजेक्ट विकास और समय पर काम पूरा करने के प्रति डबल-इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### 5 महीने के अंदर महिला ने कीं 3 अलग-अलग शादियां, हर बार नया बहाना, मंदिर जाने के बहाने नहीं लौटती थी वापस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के गलोड़ क्षेत्र में शादी के नाम पर ठगी के एक सनसनीखेज मामले ने लोगों को हैरान कर दिया है। आरोप है कि शीतल नाम की एक महिला ने महज 5 महीने के भीतर 3 अलग-अलग युवकों से शादी की और कुछ समय बाद बहाने बनाकर फरार हो गई। मामले ने ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय ऐसे गिरोहों की आशंका को भी जन्म दे दिया है, जो विवाह के नाम पर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, महिला पर जनवरी महीने में बिलासपुर जिले के जेजवीं क्षेत्र, फरवरी में हमीरपुर के गलोड़ और मई में बिलासपुर के बल्हसीना क्षेत्र में शादी करने के आरोप लगे हैं।

## एफआईआर का आदेश और निगरानी में जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा अयोध्या राम मंदिर चंदा विवाद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दिए गए दान और चढ़ावे के गलत इस्तेमाल का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। लगाए गए आरोपों पर एफआईआर दर्ज करने और कोर्ट की निगरानी में जांच के निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को संबोधित यह अर्जी एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अनूप प्रकाश अवस्थी ने दायर की थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) जैसी किसी बड़ी जांच एजेंसी से स्वतंत्र जांच का आदेश देने पर विचार करे, जो सीधे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। यह कहते हुए कि यह मामला लाखों लोगों की आस्था और भरोसे से जुड़ा है, अर्जी में कहा गया है कि राम मंदिर से जुड़े दान के पैसे में कथित गड़बड़ी, गलत इस्तेमाल या गायब होने की हालिया खबरों ने देश और विदेश में भक्तों के बीच चिंता पैदा कर दी है। इसमें यह भी कहा गया है कि भले ही उत्तर प्रदेश सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई है, लेकिन औपचारिक आपराधिक जांच और एफआईआर न होने से इस मामले पर संस्थागत प्रतिक्रिया को लेकर सवाल उठे हैं। अर्जी में कहा गया, 'मैं किसी व्यक्ति, संस्था या अथॉरिटी के बारे में पहले से कोई राय नहीं बनाना चाहता। न ही मेरा मकसद ट्रस्ट पर कोई आरोप लगाना है, जिसके सदस्यों ने बहुत कीमती सेवा की है। हालांकि, आरोपों की गंभीरता और शामिल संस्था के असाधारण महत्व को देखते हुए सामान्य मानकों से कहीं ज्यादा पारदर्शिता और विश्वसनीयता की जरूरत है।' मंदिर के महत्व का जिक्र करते हुए अर्जी में कहा गया है कि भक्तों का योगदान पवित्र चढ़ावा है जो संस्था में आस्था और भरोसे को दिखाता है और ऐसे दान से जुड़े कोई भी आरोप सामान्य वित्तीय विवाद से कहीं बड़े होते हैं।

### मॉनसून की रफ्तार तेज, अगले 4-5 दिनों में महाराष्ट्र-बिहार समेत इन राज्यों में बढ़ेगा आगे, होगी झमाझम बारिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं। शाम के समय उमसभरी गर्मी हो रही है। इस बीच, देश के कई राज्यों में मॉनसून ने दस्तक दे दी है। आने वाले दिनों में लोगों को गर्मी से राहत मिलने वाली है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून लगातार आगे बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के अनुसार, रविवार तक मॉनसून की उत्तरी सीमा अरब सागर से होते हुए हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, कलिंगपट्टनम, पारादीप, बारिपदा, पुरुलिया, धनबाद और मुजफ्फरपुर तक पहुंच चुकी है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 4 से 5 दिनों के दौरान परिस्थितियां मानसून के और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं।

## नीट-यूजी के छात्रों से साइबर ठगी की बड़ी साजिश नाकाम, बिहार से 19 वर्षीय स्टूडेंट गिरफ्तार

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद शहर की साइबर क्राइम ब्रांच और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मिलकर NEET-UG 2026 के छात्रों को निशाना बनाने वाली साइबर धोखाधड़ी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में बिहार के एक 19 साल के छात्र को गिरफ्तार किया है, जो परीक्षा फीस रिफंड (वापसी) के पैसे को छात्रों के खातों से उड़ाकर अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करने की कोशिश कर रहा था।

अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी की पहचान नवीनकुमार शंकर प्रसाद यादव के रूप में हुई है, जो बिहार के गया जिले का रहने वाला है और बीएससी (BSc) का छात्र है। एनटीए के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी द्वारा दी गई डिजिटल कड़ियों, तकनीकी जांच और बैंक खातों के रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने आरोपी को बिहार से ढूंढ निकाला।

### कैसे दिया साजिश को अंजाम?

मिली जानकारी के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपी ने एक छात्र की जानकारी का इस्तेमाल करके एक फर्जी पहचान बनाई। इसके बाद उसने उस छात्र की मर्जी या जानकारी के बिना NEET-UG 2026 के ऑनलाइन पोर्टल पर गलत तरीके से लॉगिन कर लिया। पोर्टल के अंदर जाकर उसने फीस रिफंड से जुड़े बैंक खातों की डिटेल्स को बदलने की कोशिश की, ताकि रिफंड का पैसा सीधे उसके अपने बैंक खातों में आ जाए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) और साइबर फ्रॉड के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) और आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

### कमजोर पासवर्ड के कारण खतरे में थे 150 अकाउंट्स

इसके अलावा पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी ने करीब 350 NEET उम्मीदवारों के अकाउंट्स को निशाना बनाया था। इनमें से लगभग 150 अकाउंट्स ऐसे थे जिनका पासवर्ड बहुत कमजोर था (जैसे आसान नंबर या नाम), जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने उनमें आसानी से सेंध लगा दी। लॉगिन करने के बाद उसने उन छात्रों को चुना जो फीस रिफंड के हकदार थे और उनके बैंक अकाउंट की जगह अपना अकाउंट नंबर डाल दिया।

## ऑपरेशन पुश बैक पर बीएसएफ-बीजीबी में बढ़ी तनातनी, 12 बांग्लादेशी को लेकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ा विवाद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर से क्चस्स्न-क्चत्रक्च में तनातनी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। दोनों देशों की सीमा पर तनाव बढ़ता जा रहा है। रानीनगर बॉर्डर पर 12 बांग्लादेशी नागरिकों की कथित घुसपैठ की कोशिश को लेकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर विवाद गहराता हुआ नजर आ रहा है। ऑपरेशन पुश बैक को लेकर बीएसएफ-बीजीबी में तनातनी बढ़ गयी है। भारत में बिना वैध दस्तावेजों के रहने के आरोप में 57 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

ऑपरेशन पुश बैक भारत सरकार द्वारा अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेजने के लिए चलाया जा रहा एक प्रमुख सुरक्षा अभियान है। बांग्लादेश सीमा से सटे गांवों के लोगों और क्चत्रक्च ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार को एकदम सुबह-सुबह क्चस्स्न ने सीमा का गेट खोलकर इन 12 लोगों को जबरन बांग्लादेश की सीमा में धकेल दिया है। ऑपरेशन पुश बैक भारत सरकार द्वारा 'डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट (पहचानें, हटाएं और निर्वासित करें) के सूत्र का उपयोग किया जा रहा है। रानीनगर बॉर्डर पर 12 बांग्लादेशी नागरिकों में चार महिलाएं, चार बच्चे और चार पुरुष है। इन लोगों की नागरिकता को लेकर में मतभेद अभी बहुत ही ज्यादा बढ़ा हुआ है। लगातार दो दिनों तक इस मुद्दे पर फ्लैग मीटिंग हो चुकी है, पर अभी तक कोई भी समाधान नहीं निकल सका। वहीं, क्चस्स्न का कहना है कि रानीनगर सेक्टर से किसी भी व्यक्ति को बांग्लादेश नहीं भेजा गया है। क्चस्स्न ने साफ-साफ एकदम कहा है कि जब कोई पुश बैक हुआ ही नहीं, तो किसी को वापस लेने का सवाल नहीं उठता है।

# 'आप एस्टिमेट बनवाइए इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए', सीएम योगी का फरियादियों को आश्वासन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में आए लोगों को विश्वास दिलाया कि आर्थिक सहायता हो या आवास, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों से कहा कि आप एस्टिमेट बनवाइए और मरीज का ध्यान रखिए, इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए। वहीं आवास की मांग को लेकर पहुंचे फरियादियों को भी सीएम ने आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को निरंतर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास दिला रही है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'जनता दर्शन' में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा, फिर भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया।

### परंपरागत रही सीएम की दिनचर्या, गोसेवा की, बच्चों से पढ़ाई के बारे में भी पूछा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रात:काल गुरु गोरखनाथ और ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से गुड़-रोटी खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए उन्होंने परिजनों के साथ आए बच्चों को पास बुलाकर दुलारा-पुचकारा। चॉकलेट दी और पढ़ाई के बारे में भी पूछा। सीएम ने बच्चों को खूब पढ़ने-आगे बढ़ने का आशीर्वाद भी दिया।

मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिया कि किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। कुछ लोगों ने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में लेटलतीफी की शिकायत की, तो सीएम ने डीएम को तत्काल मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम योगी ने आवास, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, राजस्व, पुलिस आदि से जुड़े अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

# यमुना एक्सप्रेसवे की समस्याओं को लेकर किसान लामबंद, जेवर टोल प्लाजा को तत्काल हटाने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

**मेरठ।** भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक ने यमुना एक्सप्रेसवे और यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम डीएम को ज्ञापन सौं। संगठन ने किसानों की लंबित मांगों के समाधान, सर्विस रोड निर्माण, मुआवजा भुगतान, टोल प्लाजा प्रबंधन की कार्यशैली की जांच तथा जेवर टोल को हटाने की मांग उठाई है। किसानों का आरोप है कि लंबे समय से धरने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक की ओर से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भेजकर यमुना एक्सप्रेसवे और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान की मांग की गई है। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय त्यागी की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सोनभद्र जिले के मेघावर गांव में किसानों की समस्याओं को लेकर 13 माह से धरना चल रहा है, जबकि गौतमबुद्ध नगर के रोनीजा गांव में यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण और यमुना एक्सप्रेसवे से संबंधित समस्याओं को लेकर किसान पिछले 12 माह से आंदोलनरत हैं।

इसके बावजूद प्रशासन स्तर पर कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में मांग की गई है कि यमुना एक्सप्रेसवे के साथ-साथ आगरा तक सर्विस रोड का निर्माण कराया जाए, ताकि स्थानीय लोगों और किसानों को आवागमन में सुविधा मिल सके। संगठन का कहना है कि एक्सप्रेस-वे बनने के बाद पुराने संपर्क मार्ग बाधित हो गए हैं और आम लोगों के लिए महंगा टोल चुकाकर यात्रा करना कठिन हो गया है।

इसके अलावा वर्ष 2008 में तत्कालीन जिला प्रशासन और किसानों के बीच हुए समझौते के अनुसार आवासीय प्लॉट तथा अतिरिक्त मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है। किसान संगठन ने जेवर टोल प्लाजा प्रबंधन पर किसान संगठनों के खिलाफ आपत्तिजनक व टिप्पणियां करने का आरोप लगाते हुए संबंधित प्रबंधक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि किसी संगठन की वैधता पर टिप्पणी करने का अधिकार टोल प्रबंधन को नहीं है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास 50 किलोमीटर तक टोल मुक्त क्षेत्र बनाने और जेवर टोल प्लाजा को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग भी सरकार के समक्ष रखी गई है। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करना मजबूरी होगी।

# रिपोर्ट के लिए भटक रहा दर-दर भटक रहा सिपाही

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** एक सिपाही को आज अपने ही घर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह मामला पुलिस व्यवस्था की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर रहा है। नगर कोतवाली क्षेत्र के ख्वाजादोस्त (भोराजीपुर) निवासी रामलखन यादव पुलिस विभाग में सिपाही पद पर तैनात रहे हैं। सेवा काल के दौरान वह कई चर्चित अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियानों और पुलिस मुठभेड़ों में शामिल रहे। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पहचान रखने वाले रामलखन यादव आज खुद न्याय की आस में भटकने को मजबूर हैं। पीड़ित रामलखन यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार 10 जून की रात अज्ञात चोरों ने उनके बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात तथा 20 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी 11 जून को नगर कोतवाली पुलिस को लिखित रूप से दी गई, आरोप है कि अब तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई की गई।चोरी गए सामान में सोने का झाला, टप्स, मंगलसूत्र, अंगूठियां, मांगटीका, नथिया, चांदी के सिक्के, पायल, चांदी का गिलास, करधन समेत अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं।पीड़ित का कहना है कि थाना स्तर पर सुनवाई न होने के कारण उन्हें पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मामला पुलिस महकमे में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि एक पूर्व पुलिसकर्मी को अपनी शिकायत पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, तो आम नागरिकों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

# राम मंदिर दान राशि में गबन का मामला, नृपेंद्र मिश्र बोले- एसआईटी जांच में कोई ढिलाई नहीं होगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**अयोध्या।** राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को स्पष्ट रूप से कहा कि दान के पैसे की चोरी के आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) की कार्रवाई में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि इस जांच के दो मुख्य पहलू हैं। पहला कि दोषियों का पता लगाना और उन पर कार्रवाई करना। दूसरा कि ऐसी व्यवस्था बनाना, जिससे आगे ऐसी कोई गड़बड़ी न हो।

उन्होंने कहा, 'जब इन दोनों पहलुओं पर सही तरीके से काम होगा, तभी हम राम भक्तों का विश्वास जीतने में सफल हो पाएंगे।' मिश्र ने यह भी बताया कि उन्होंने कल ही इस मामले में सहयोग के लिए जिला प्रशासन से बात की है।

उन्होंने इसे एक 'सामूहिक प्रयास' बताया और कहा कि यह मंदिर के लिए एक कठिन समय की तरह है, जिसे पार करके हम एक बेहतर भविष्य देखेंगे।

### क्यों और किसने गठित की SIT?

श्री राम जनमभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया था। यह टीम दान के पैसों की चोरी के आरोपों और ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन की जांच कर रही है।

राज्य सरकार के अनुसार, ट्रस्ट ने खुद एक निष्पक्ष जांच की मांग की थी, ताकि सच सामने आ सके और उन ताकतों को जवाब दिया जा सके जो अफवाहें फैलाकर राम मंदिर की छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रही हैं।

### SIT में शामिल अधिकारी

विजय विश्वास पंत (लखनऊ के मंडलायुक्त)

किरण एस (पुलिस महानिरीक्षक/IG)

नील रतन (वित्त विभाग के विशेष सचिव)

### विवाद की शुरुआत कैसे हुई?

यह मामला 7 जून को तब गरमाया, जब समाजवादी पार्टी (SP) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कुछ रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि राम मंदिर में चढ़ावे के रूप में आए करोड़ों रुपये गायब हैं। उन्होंने इस मामले में अदालत से संज्ञान लेने की अपील भी की थी।

अखिलेश यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि मंदिर का आंतरिक ऑडिट चल रहा है। उन्होंने साफ किया कि अभी तक जांच में ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया है जिससे चोरी के आरोपों की पुष्टि होती हो।

# कायस्थ पार्टी के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले में स्थित शास्त्री कान्वेंट स्कूल के सभागार में किसान आमजन युवा शोषित ट्रेडर्स हमारी पार्टी का जिले की सभी तहसीलों में विस्तार करते हुये पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। साथ ही शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी सम्पन्न कराया गया।शाहगंज तहसील में विवेक अस्थाना को अध्यक्ष, प्रवीण श्रीवास्तव को महासचिव, राकेश श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बदलापुर तहसील में रणवीर प्रकाश श्रीवास्तव को अध्यक्ष एवं संजय दुबे को सामान्य प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मछलीशहर तहसील में डॉ. विभव सिन्हा को अध्यक्ष, सुधीर श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, मनोज श्रीवास्तव को महासचिव, विजय यादव को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मडियाहूं तहसील में डा. विजेंद्र श्रीवास्तव को अध्यक्ष, स्वप्निल श्रीवास्तव को शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, रेनू श्रीवास्तव को महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, विनय श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी, धीरज श्रीवास्तव को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। केराकत तहसील में विनय श्रीवास्तव को अध्यक्ष, आनन्द कृष्ण श्रीवास्तव को विधि प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, सुधीर राय को शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, अनीश कुमार को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। शहर में भी पार्टी का विस्तार करते हुए सैकड़ों लोगों के बीच नगर के भी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया गया जिसमें धर्मेंद्र श्रीवास्तव को व्यापार प्रकोष्ठ का महासचिव, रवि श्रीवास्तव को जिला सचिव, विकास सिन्हा को नगर युवा अध्यक्ष, अरविंद श्रीवास्तव को सचिव, आलोक श्रीवास्तव को सचिव, संतोष श्रीवास्तव को सचिव, रूपेश श्रीवास्तव को सचिव, मधुर मोहन अस्थाना को विधि प्रकोष्ठ का उपाध्यक्ष, आनंद मोहन अस्थाना को उपाध्यक्ष, नीरज श्रीवास्तव को सचिव, हेमंत श्रीवास्तव को सचिव पद पर मनोनीत करके शपथ ग्रहण कराया गया। मुख्य अतिथि अंजनी श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये कहा कि कायस्थ पार्टी सर्वसमाज की पार्टी है। इसमें सभी धर्म एवं वर्गों के लोगों का सम्मान किया जाता है तथा सभी को समानता का अधिकार है। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल को अलग राज्य का दर्जा दिलाना, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दिलाना, बेरोजगारी दूर करने हेतु सार्थक प्रयास करना, किसानों की समस्याओं का उचित समाधान निकालना, सभी कृषि यंत्रों को जीएसटी मुक्त करना और एमएसपी के लिए सार्थक प्रयास करना, समाज के हर धर्म और वर्ग के पिछड़े लोगों का सहयोग करना आदि पार्टी का मुख्य उद्देश्य है।

# अमृत भारत योजना का मजाक! 21 करोड़ का बजट, 4 मजदूर और ढाई साल से 'कछुआ' बना चंदौसी रेलवे स्टेशन

आर्यावर्त संवाददाता

**चंदौसी (संभल)।** अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे चंदौसी रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण का काम यात्रियों से लेकर कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। ढाई साल से अधिक समय बीतने के बाद भी स्टेशन के पुनर्विकास से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण कार्य अधर में लटके हुए हैं। फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर से लेकर मुख्य प्रवेश द्वार तक का निर्माण कार्य ठेकेदार की लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है। हैरान करने वाली बात यह है कि मंडल रेल प्रबंधक द्वारा कई बार चेतावनी दिए जाने के बाद भी ठेकेदार ने काम में तेजी लाने की जहमत नहीं उठाई।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 21 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। छह अगस्त साल

2023 से स्टेशन पर लगातार काम चल रहा है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि प्रस्तावित सभी कार्य अधूरे हैं। कार्यदायी संस्था बदलने के बाद गति शक्ति भी काम में तेजी नहीं ला सकी।

प्रस्तावित कार्य में रेलवे प्लेटफार्म पर यात्रियों की सुविधा के लिए बनने वाला 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज महज छह महीने में तैयार होना था। तय समय-सीमा के अनुसार इसे पिछले वर्ष दिसंबर तक चालू हो जाना चाहिए था लेकिन अभी तक इसका कार्य अधूरा पड़ा है।

ओवरब्रिज के दोनों तरफ की सीढ़ियां बनकर तैयार हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक ऊपर की टीनशेड नहीं बनी है। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर आवागमन को सुगम बनाने के लिए एस्केलेटर लगाया जाना प्रस्तावित है, जिसका काम अभी तक शुरू नहीं हो सका। वहीं, लिफ्ट के लिए पक्का ढांचा तो खड़ा कर दिया गया है, पर लिफ्ट लगाने का काम अभी बाकी है। वेटिंग रूम का कार्य भी अधूरा है, लोग इधर उधर भटकते रहते हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर अभी तक केवल फर्श बनाने का काम ही हो पाया है। प्रवेश द्वार के दाईं ओर का हिस्सा भी अधूरा है। इसके अलावा, स्टेशन के बाहर बनने वाले पार्किंग और सर्कुलेटिंग एरिया का काम भी ठप पड़ा है। जिससे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्लेट फार्म संख्या -2 ऊंचाई बढ़ाने का काम भी काफी धीमी गति से चल रही है।

> अधिकारी समय समय पर विकास कार्य का निरीक्षण करने आते हैं और कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हैं, लेकिन कार्यदायी संस्था अपनी उसी ढर्रे से कार्य कर रही है। इस संबंध में पुन: अधिकारियों को अवगत कराएंगे।
>
> **- राजू कुमार, स्टेशन अधीक्षक, चंदौसी**

### गति शक्ति से भी नहीं मिली रफ्तार

चंदौसी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित विकास कार्य को गाजियाबाद की कार्यदायी संस्था ने शुरू किया था, लेकिन शुरुआत से लापरवाही और कार्य को गति न मिलने की वजह से रेलवे ने इसकी जिम्मेदारी गति शक्ति को दी लेकिन गति शक्ति भी विकास कार्य को रफ्तार नहीं दे पाई।

### शुरूआत से रही मजदूरों की कमी

रेलवे स्टेशन का विकास कार्य भारत सरकार की बेहद महत्वपूर्ण और ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। लेकिन जिम्मेदारों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जहां निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता थी, वहां ठेकेदार द्वारा शुरू से ही केवल चार से पांच मजदूरों से काम कराया जा रहा है। यही वजह है कि योजना कछुआ गति से भी धीमी चल रही है।

# यूपी के इन 3 शहरों में 342 KM तक दौड़ेगी मेट्रो, पार्किंग की भी टेंशन होगी खत्म

आर्यावर्त संवाददाता

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के तीन प्रमुख महानगरों लखनऊ, कानपुर और आगरा के निवासियों के लिए एक शानदार खबर है। योगी सरकार इन तीनों शहरों में मेट्रो रेल सेवा का बड़े पैमाने पर विस्तार करने जा रही है। यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक द्वारा उच्चाधिकारियों की बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, तीनों शहरों की जरूरत के आधार पर मेट्रो रूट बढ़ाए जाएंगे।

इसके तहत लखनऊ में 170 किलोमीटर, कानपुर में 83 किलोमीटर और आगरा में 89 किलोमीटर नया मेट्रो ट्रैक बिछाने के लिए नई डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार की जा रही है। नई डीपीआर में न सिर्फ मेट्रो ट्रैक बल्कि स्टेशनों के आसपास मल्टी लेवल पार्किंग का विशेष प्रावधान किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि मेट्रो स्टेशनों के पास पार्किंग के लिए अतिरिक्त स्थलों को चिह्नित किया गया है:

### आगरा: 19 नए पार्किंग स्थल

इन पार्किंग स्थलों को संबंधित शहरों के नगर निगम और विकास प्राधिकरण मिलकर विकसित करेंगे। फिलहाल, इन तीनों ही शहरों में दूसरे चरण का काम तेजी से चल रहा है।

### दक्षिणी कानपुर के लाखों लोगों को मिलेगा जाम से छुटकारा

### कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता रूट का इंतजार खत्म, जुड़ेंगे 7 नए स्टेशन

कानपुर के लोगों के लिए डबल खुशखबरी है। कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक के विस्तारित रूट पर मेट्रो सेवा शुरू होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त की चार सदस्यीय तकनीकी टीम ने तीन दिन तक ट्रैक, टनल, सिग्नलिंग और यात्री सुरक्षा का गहन निरीक्षण पूरा कर लिया है। CMRS की मुख्य टीम के अंतिम निरीक्षण के महज चार दिनों बाद हरी झंडी मिलते ही इस रूट पर मेट्रो दौड़ने लगेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस नए विस्तारित सेक्शन का कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के साथ लोकार्पण कर सकते हैं।

वर्तमान में कानपुर मेट्रो आईआईटी से कानपुर सेंट्रल तक चल रही है। नौबस्ता सेक्शन शुरू होने के बाद नेटवर्क में 7 नए स्टेशन जुड़ जाएंगे:

- झकरकटी
- ट्रांसपोर्टनगर
- बारादेवी
- किदवईनगर
- वसंत विहार
- बौद्ध नगर
- नौबस्ता

इसके साथ ही कानपुर मेट्रो में कुल स्टेशनों की संख्या 14 से बढ़कर 21 हो जाएगी। इस रूट के चालू होने से दक्षिणी कानपुर के लाखों लोगों को सेंट्रल स्टेशन, बड़ा चौराहा, कलेक्ट्रेट, कचहरी और हैलट अस्पताल तक तेज, सुरक्षित और जाम मुक्त सफर की सुविधा मिलेगी।

# डेंगू जागरूकता गोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** विश्व डेंगू दिवस के अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के निर्देशन में मलेरिया फाइलेरिया टीम द्वारा सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक जलालपुर के उदपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संदीप पटेल के सहयोग से डेंगू जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें लोगों को डेंगू एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों के कारण ,लक्षण, बचाव के प्रति जानकारी दी गई और पोस्टर,पैम्फलेट भी वितरित किए गए। सहायक मलेरिया अधिकारी अशोक कुमार द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला में गोष्ठी, पोस्टर आदि प्रदर्शित किए गए। मलेरिया निरीक्षक चंद्रेश कुमार पटेल के नेतृत्व में सुपरवाइजर शिव शंकर वर्मा, श्री इंद्रजीत ,फील्ड वर्कर रामरूप के सहयोग से नगरीय क्षेत्र जौनपुर के प्रेमराजपुर में डेंगू निरोधात्मक एवं जन जागरूकता संबंधित गतिविधियां जैसे प्रचार प्रसार, पोस्टर पैम्फलेट वितरण, ब्रीडिंग सोर्स सर्वे, ब्रीडिंग सोर्स रिडक्शन, स्वास्थ्य शिक्षा, एंटीलार्वा रसायन स्प्रे आदि संपादित कराई गयीं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया है कि डेंगू मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलने वाला एक संक्रामक वायरस जनित रोग होता है। एडीज मच्छर रुके हुए साफ पानी जैसे कूलर, गमला, टब, बाल्टी, मग, खुली हुई पानी की टंकी, फ्रिज की ट्रे आदि में पैदा होते हैं और नम, अंधेरे, छाया दार स्थानों में रहता है, यह मच्छर दिन में काटता है खास कर सुबह, शाम ज्यादा काटता है।

# यूपी में विकास कार्यों के शिलापट्ट पर जनप्रतिनिधियों के नाम लिखने का नियम सख्त, योगी सरकार का आदेश जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** विकास कार्यों के शिलापट्टों पर जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित करने को लेकर होने वाले विवादों पर रोक लगाने के लिए प्रदेश सरकार ने सख्त कदम उठाया है।

नगर विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी विकास परियोजना की दूसरी किस्त तभी जारी होगी, जब संबंधित नगरीय निकाय जनप्रतिनिधियों के नामों से युक्त शिलापट्ट की प्रमाणित प्रति और फोटो शासन को उपलब्ध कराएगा।

प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, परियोजनाओं की अगली किस्त प्राप्त करने के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ शिलापट्ट एवं पट्टिका की फोटो जिलाधिकारी, नगर आयुक्त अथवा अधिशासी अधिकारी से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत करनी होगी। सत्यापन के बाद ही निकायों को दूसरी किस्त की धनराशि जारी की जाएगी।

## जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित किए जाना अनिवार्य

शासनादेश में कहा गया है कि नगर विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और वित्त आयोगों से संचालित विकास कार्यों के शिलापट्टों पर निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित किए जाना अनिवार्य है।

इसमें मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, लोक सभा एवं राज्य सभा सांसद, महापौर, विधायक, नामित नोडल सदस्य तथा पालिका एवं पंचायत अध्यक्षों के नाम शामिल होंगे। इनके लिए अलग-अलग फांट साइज भी निर्धारित किए गए हैं।

सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को प्रोटोकाल के अनुरूप आमंत्रित किया जाए। शासन का मानना है कि इससे जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा संबंधी शिकायतों पर रोक लगेगी और विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहेगी। शासनादेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई निकायों द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा था, जिसकी शिकायतें शासन तक पहुंच रही थीं। ऐसे में अब नियमों के अनुपालन को वित्तीय स्वीकृति से जोड़ दिया गया है, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे।

# यूपी में हर बच्चे को स्कूल भेजेगी योगी सरकार, एक जुलाई से अभियान का दूसरा चरण शुरू, निर्देश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण शुरू होगा। इसके तहत स्कूल जाने की आयु के प्रत्येक बच्चे का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही कक्षा पांच से छह, कक्षा आठ से नौ और कक्षा 10 से 11 में सभी विद्यार्थियों के प्रवेश की जिम्मेदारी संबंधित प्रधानाध्यापकों को सौंपी गई है। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने इस संबंध में सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने राजकीय शिक्षकों के स्थानांतरण और समायोजन की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ तय समय में पूरा करने को कहा है। समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजना के तहत लंबित भुगतान 30 जून तक निपटाने व कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रयोगशालाओं के उपकरणों का सत्यापन कर सभी लैब को क्रियाशील बनाने पर जोर दिया गया है। प्रोजेक्ट अलंकार, नए मिनी स्टेडियम और 44 इंडोर मिनी स्टेडियमों से जुड़े कार्यों की प्रगति तेज करने को कहा गया है। वहीं, शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार नियमित पठन-पाठन, मूल्यांकन और आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क भी किया जाएगा। ड्रीम लैब परियोजना, प्रोजेक्ट प्रवीण और बीएड विद्यार्थियों की इंटर्नशिप की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी जर्जर भवनों पर लाल निशान लगाकर उन्हें एबंडंड घोषित करने तथा उनके उपयोग पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक को हर माह प्रधानाचार्यों के साथ वर्चुअल संवाद कर पठन-पाठन, उपस्थिति और व्यावसायिक शिक्षा की समीक्षा करने को कहा गया है।

## चिनहट में पेड़ से लटका मिला मजदूर का शव, शराब के नशे में आत्महत्या की आशंका; फायर सर्विस ने नीचे उतारा शव

**लखनऊ।** राजधानी के चिनहट थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक प्रवासी मजदूर का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। काफी प्रयास के बाद शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। प्रारंभिक जांच में शराब के नशे में आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार 14 जून 2026 की रात करीब 9:29 बजे थाना चिनहट को सूचना प्राप्त हुई कि विकल्प खंड क्षेत्र में एक व्यक्ति पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र थे। पूछताछ के दौरान मृतक की पहचान सुरेश्वर शाहू पुत्र परदेशी शाहू, उम्र लगभग 37 वर्ष, निवासी ग्राम गनिया, थाना नवागढ़, जनपद बेमेतरा, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई।

# अपनी जमीन पर बने एयरपोर्ट से पहली उड़ान भरकर लखनऊ पहुंचे किसान

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से सोमवार को लखनऊ के लिए पहली व्यावसायिक उड़ान रवाना हुई। इस ऐतिहासिक उड़ान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें वे किसान भी शामिल थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी भूमि दी थी। अपनी ही जमीन पर बने विश्वस्तरीय हवाई अड्डे से पहली बार विमान में बैठकर राजधानी पहुंचे किसानों के चेहरे पर खुशी, गर्व और भावुकता साफ दिखाई दी। किसानों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद किसानों ने कहा कि वर्षों पहले उन्होंने जिस भूमि को विकास के लिए समर्पित किया था, आज उसी भूमि पर बने एयरपोर्ट से उड़ान भरना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। किसानों का कहना था कि यह केवल हवाई यात्रा नहीं, बल्कि विकास में उनकी भागीदारी का प्रतीक है।जेवर निवासी पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत की गई थी। उन्होंने कहा कि पहली बार हवाई जहाज में सफर करने का अवसर मिला है, जो उनके जीवन का सबसे सुखद अनुभव है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सम्मान बढ़ाया है और उन्हें विकास यात्रा का सहभागी बनाया है।किसान धर्मवीर शर्मा ने कहा कि उनके गांव में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह साबित कर दिया है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उसकी प्राथमिकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों से किया गया हर वादा पूरा किया गया है।उड़ान में शामिल हिरा रशीद ने कहा कि लखनऊ तक की हवाई यात्रा उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है। उन्होंने कहा कि कभी उन्होंने नहीं सोचा था कि एक दिन अपने गांव से विमान में बैठकर राजधानी पहुंचेंगी। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री और सरकार की विकासपरक नीतियों को दिया।किसान हाजी जफर ने कहा कि सरकार ने ऐसा कार्य किया है, जिसकी वर्षों तक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि "हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठाने" का सपना सच हुआ है।

## पत्नी की मौत और बीमारी से टूटे अधेड़ ने नीम के पेड़ से लगाई फांसी, नहर किनारे मिला शव; गांव में शोक की लहर

**लखनऊ।** काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव में सोमवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय एक अधेड़ का शव गांव के बाहर नहर किनारे स्थित नीम के पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान संतकुमार धानुक पुत्र स्वर्गीय मंगली, निवासी ग्राम बहरू, थाना काकोरी के रूप में हुई है। सोमवार को ग्रामीणों ने गांव के बाहर नहर के किनारे स्थित एक नीम के पेड़ पर उनका शव फांसी के फंदे से लटका देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

# स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में बड़ी गिरफ्तारी, वाराणसी से दबोचा गया हत्या के मुकदमे का आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में स्कॉर्पियो सवार युवकों पर जानलेवा फायरिंग करने के चर्चित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने वाराणसी में छापेमारी कर मामले के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी पर पहले से हत्या जैसे गंभीर अपराध का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस की इस कार्रवाई को घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार 5 जून 2026 को खरगापुर निवासी शुभम त्रिपाठी ने थाना गोमतीनगर विस्तार में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उनकी तथा उनके मित्र अमित सिंह, अभिषेक मिश्रा, मिहिर सिंह और अमन सिंह की स्कॉर्पियो पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। आरोपियों ने वाहन पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिससे स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा संख्या 104/2026 धारा 109 एवं 324(4) बीएनएस के तहत राहुल सिंह और अन्य तीन लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया।विवेचना के दौरान वाराणसी निवासी नीरज पाण्डेय का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। गोमतीनगर विस्तार पुलिस टीम वाराणसी पहुंची और थाना सिगरा पुलिस के सहयोग से तकनीकी निगरानी तथा स्थानीय सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने छित्तुपुर स्थित उसके आवास पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी नीरज पाण्डेय पुत्र दयानन्द पाण्डेय, नई पोखरी पिशाच मोचन, छित्तुपुर वाराणसी का निवासी है और उसकी उम्र लगभग 36 वर्ष बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में वाराणसी के कोतवाली थाने में हत्या और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धारा 302 एवं 201 के तहत मुकदमा दर्ज है।

## विधानसभा के पास आत्मदाह का प्रयास विफल, पुलिस की तत्परता से बचीं मां-बेटी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के निकट सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब दो महिलाओं ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के चलते किसी भी अप्रिय घटना को होने से पहले ही टाल दिया गया। पुलिस ने तत्काल दोनों महिलाओं को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया और पूरे मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी।घटना सोमवार को थाना हजरतगंज क्षेत्र में विधानसभा के समीप हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दो महिलाएं अचानक वहां पहुंचीं और अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने का प्रयास करने लगीं। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया और दोनों महिलाओं को सुरक्षित रोक लिया।

# नाबालिग को बहला-फुसलाकर बिहार ले गया युवक गिरफ्तार, गुडम्बा पुलिस ने सकुशल बरामद की किशोरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र से लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप में एक युवक को बिहार के वैशाली जनपद से गिरफ्तार किया गया है। सर्विलांस सेल की मदद और लगातार की गई पुलिस कार्रवाई के बाद यह सफलता हासिल हुई। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 10 मई 2026 को किशोरी की मां ने गुडम्बा थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री बिना किसी सूचना के घर से चली गई है और वापस नहीं लौटी है। शिकायत के आधार पर थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 196/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज द्वारा की जा रही थी।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की सहायता ली। जांच में किशोरी और एक संदिग्ध युवक की लोकेशन बिहार के वैशाली जनपद में मिली। इसके बाद उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज, उपनिरीक्षक जय बहादुर राय, आरक्षी रघुवीर यादव और महिला आरक्षी ऋचा सिंह की टीम को किशोरी की बरामदगी के लिए बिहार रवाना किया गया।पुलिस टीम ने वैशाली जिले में लगातार पतारसी और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। सर्विलांस से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने दीघी कला पूर्वी क्षेत्र में दबिश देकर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही उसके साथ मौजूद सूरज वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी सूरज वर्मा पुत्र प्रभाशंकर वर्मा निवासी चन्दनापुर, थाना मसौली, जनपद बाराबंकी का रहने वाला है और उसकी उम्र 23 वर्ष बताई गई है।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह किशोरी से प्रेम करता है और शादी करने के उद्देश्य से उसे अपने साथ लेकर गया था।

## जेसीबी इंडिया ने रचा नया कीर्तिमान, 6 लाखवीं मशीन की बिक्री; भारत बना वैश्विक विनिर्माण केंद्र

**लखनऊ।** निर्माण उपकरण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी JCB India ने भारत में अपनी 6,00,000वीं मशीन के उत्पादन और बिक्री का ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। चार दशक से अधिक समय से देश में सक्रिय कंपनी की यह उपलब्धि न केवल उसके व्यावसायिक विस्तार का प्रतीक है, बल्कि भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। कंपनी की छह लाखवीं मशीन एक बैकहो लोडर है, जिसे आमतौर पर ₹जेसीबी खुदाई मशीन₹ के नाम से जाना जाता है और जो देशभर में सड़क निर्माण, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा कृषि कार्यों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है।जेसीबी इंडिया ने इस उपलब्धि को ग्राहकों, डीलरों, सप्लायर्स और सहयोगी संस्थाओं के साथ साझा सफलता बताते हुए कहा कि कंपनी की विकास यात्रा भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की कहानी से जुड़ी रही है।

# प्रधानमंत्री आवास योजना में 427 दोहरे लाभार्थियों का खुलासा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 427 लाभार्थियों द्वारा कथित रूप से दो-दो आवास हासिल किए जाने के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे को गरीबों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि गरीबों के हक पर डाका डालने जैसा मामला है।वंशराज दुबे ने जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना था, लेकिन उत्तर प्रदेश में योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचने के बजाय कथित फर्जीवाड़े और अनियमितताओं की भेंट चढ़ गया। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की जांच में प्रदेश के 427 ऐसे लाभार्थियों की पहचान हुई है, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) दोनों का लाभ लेकर दो-दो आवास प्राप्त किए।उन्होंने कहा कि ललितपुर में 50, बांदा में 26 तथा सीतापुर और प्रतापगढ़ में 21-21 मामलों का सामने आना यह दर्शाता है कि यह कोई सामान्य चूक नहीं बल्कि व्यापक स्तर पर हुई अनियमितता का संकेत है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना विभागीय अधिकारियों, स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों और प्रशासनिक लापरवाही के इतनी बड़ी संख्या में दोहरे लाभार्थी सामने आना संभव नहीं है।आम आदमी पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि सरकार अब रिकवरी और कार्रवाई की बात कर रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब आवेदन स्वीकृत किए जा रहे थे, तब सत्यापन प्रक्रिया, डिजिटल निगरानी तंत्र और विभागीय जांच व्यवस्था क्या कर रही थी। उन्होंने कहा कि यदि समय पर निगरानी की जाती तो इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।वंशराज दुबे ने कहा कि पूरे देश में दोहरे आवास लाभ लेने के 8047 मामलों में उत्तर प्रदेश का सातवें स्थान पर होना चिंताजनक है। उनके अनुसार यह स्थिति पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के दावों पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हजारों गरीब परिवार आज भी एक पक्के मकान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दो-दो बार सरकारी योजना का लाभ उठाने में सफल हो गए। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला नहीं है, बल्कि उन गरीब परिवारों के सपनों और अधिकारों से जुड़ा विषय है जो आज भी आवास की मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने आरोप लगाया

# डॉ. सूर्यकान्त बने टी.बी. की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेन्ट

## डॉ. सोनिया नित्यानंद, कुलपति केजीएमयू ने डॉ. सूर्यकान्त को दी बधाई

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TAI) द्वारा आयोजित होने वाले 81वें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्यूबरकुलोसिस एंड चेस्ट डिजीज (NATCON 2026) का प्रेसिडेन्ट नामित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक पंजाब के पटियाला में आयोजित की जाएगी।

ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव-जनरल (इंडिया) श्री विक्रम मल्होत्रा द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन ने डॉ. सूर्यकान्त को 81वें NATCON 2026 का प्रेसिडेन्ट एवं स्टैंडिंग टेक्निकल कमेटी का चेयरमैन मनोनीत करने का निर्णय लिया है। वे पूरे सम्मेलन के दौरान प्रेसिडेन्ट के रूप में कार्य करेंगे तथा डॉ. सूर्यकान्त सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रेसिडेन्शियल एड्रेस भी देंगे।

यह नियुक्ति डॉ. सूर्यकान्त द्वारा टीबी के क्षेत्र में किए गए चिकित्सकीय शिक्षा, शोध, चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान की गई है। उनके नेतृत्व में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाएँ सफलतापूर्वक संचालित हुई हैं तथा वे विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका भी निभा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि NATCON देश का सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें क्षय रोग, श्वसन रोगों एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ, चिकित्सक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधकर्ता भाग लेते हैं। सम्मेलन का उद्देश्य क्षय रोग नियंत्रण, श्वसन चिकित्सा, सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों, नवाचारों तथा अनुसंधान के नवीनतम आयामों पर विचार-विमर्श एवं ज्ञान-विनिमय को बढ़ावा देना है।

कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने डॉ. सूर्यकान्त को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. सूर्यकान्त की यह नियुक्ति न केवल किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के चिकित्सा समुदाय के लिए भी गौरव का विषय है।

ज्ञात रहे कि हाल ही में गंभीर टीबी मरीजों के बेहतर उपचार के लिए "टीबी कमिटेड आईसीयू" हेतु स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) एवं गाइडलाइन तैयार करने के लिए गठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के चेयरमैन बनाए गए हैं। इसके साथ ही वे टीबी से संबंधित कई चिकित्सकीय, शोध एवं सामाजिक समितियों के अध्यक्ष, सदस्य व सलाहकार भी हैं। डॉ. सूर्यकान्त अब तक 22 पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें 4 पुस्तकें टीबी रोग पर आधारित हैं। नई शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विमोचित 100 हिंदी पुस्तकों में डॉ. सूर्यकान्त की दो पुस्तकें शामिल थीं, जिनमें से एक पुस्तक टीबी पर लिखी गई है। आईसीएमआर द्वारा देशभर में जटिल टीबी के नए उपचार हेतु संचालित बीपाल प्रोजेक्ट के केजीएमयू के मुख्य पर्यवेक्षक भी रह चुके हैं। बीपाल प्रोजेक्ट की सफलता के बाद ही एमडीआर-टीबी के नए उपचार में नई दवाओं को शुरू किया गया है।

डॉ. सूर्यकान्त राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की नॉर्थ जोन टास्क फोर्स (उत्तर भारत के 9 राज्यों के लिए) के चेयरमैन के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही वे रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी केयर के संस्थापक प्रभारी हैं, जिसके तहत टीबी मरीजों को उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है। साथ ही वे पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन केंद्र के संस्थापक प्रभारी भी हैं, जो उत्तर प्रदेश का पहला सरकारी केंद्र है, जहाँ साँस संबंधी रोगियों का पूरी तरह निःशुल्क उपचार किया जाता है। डॉ. सूर्यकान्त के नेतृत्व में पोस्ट-टीबी मरीजों, जिन्हें टीबी के इलाज के बंद होने के बाद भी खाँसी, साँस फूलने या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, का भी उपचार किया जाता है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत योजना के अंतर्गत डॉ. सूर्यकान्त टीबी नियंत्रण एवं उन्मूलन के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अब तक 500 से अधिक टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार, पोषण एवं देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही वर्ष 2019 से ग्राम पंचायतों एवं स्लम क्षेत्रों को गोद लेकर वहाँ टीबी उन्मूलन की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

# कोषागारों में परीक्षा सामग्री का अंबार, मुख्य सचिव ने दिखाई सख्ती; सात दिन में निस्तारण के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने जनपदीय कोषागारों में वर्षों से जमा चयन आयोगों और विभिन्न भर्ती बोर्डों की परीक्षा सामग्री के निस्तारण को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर सभी संबंधित विभागों, आयोगों और अधिकारियों को सात दिन के भीतर अनुपयोगी परीक्षा सामग्री का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासन स्तर पर माना जा रहा है कि कोषागारों में परीक्षा सामग्री का लगातार बढ़ता बोझ अब प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा था।

जारी आदेश में मुख्य सचिव ने कहा है कि प्रदेश के विभिन्न जनपदीय कोषागारों में चयन आयोगों और भर्ती बोर्डों द्वारा आयोजित परीक्षाओं की सामग्री समय पर नहीं हटाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में प्रश्न-पत्र, ओएमआर शीट्स और अन्य गोपनीय अभिलेखों से भरे ट्रंक कोषागारों में जमा हो गए हैं। स्थिति यह हो गई है कि कई स्थानों पर अन्य महत्वपूर्ण और गोपनीय दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं रह गया है।शासनादेश में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई है कि परीक्षा सामग्री के निस्तारण में देरी के कारण कुछ मामलों में दूसरे आयोगों की गोपनीय सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए अस्थायी डबल लॉक कोषागार की व्यवस्था करनी पड़ी। इसे प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर स्थिति मानते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परीक्षा के आयोजन के बाद सात दिन के भीतर अप्रयुक्त प्रश्न-पत्रों, ओएमआर शीट्स और अन्य संबंधित अभिलेखों का नियमानुसार निस्तारण किया जाए।

## तृण तृण बिखरती तृणमूल

जब 4 मई 2026 को बंगाल जनता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार की विदाई का जनादेश सुनाया तब किसी ने भी सपने नहीं सोचा था कि इस हार के बाद तृणमूल कांग्रेस तृण तृण होकर बिखरने लगेगी। बंगाल विधानसभा में तृणमूल के 80 विधायक जीतकर आए थे जिनमें से पहले 58 विधायक अलग हुए फिर उनकी संख्या बढ़कर 64 हो गई, नेता प्रतिपक्ष भी उन्होंने अपने मन का बना लिया। लोकसभा में 19 सांसदों ने बागी होकर अलग गुट बना लिया है, बागियों की संख्या आगे भी बढ़ सकती है। राज्यसभा सांसदों के त्यागपत्र भी आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद सुखेदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव तथा प्रकाश चिक बराईक इस्तीफा दे चुके हैं। आश्चर्यजनक रूप से ममता के सबसे करीबी कल्याण बनर्जी भी बगावती तेवर दिखा रहे हैं। जिला और पंचायत स्तर पर भी पार्टी की यही स्थिति है।

मात्र एक महीना पहले तक यही सांसद और विधायक ममता दीदी के साथ साए की तरह लगे रहते थे। जैसे ही बंगाल की जनता ने सत्ता बदली इन नेताओं का रुख बदल गया। आज ये नेता जिन विषयों पर ममता और अभिषेक बनर्जी को कोस रहे हैं सत्ता में रहते हुए कभी उन विषयों पर मुंह नहीं खोला, आर.जी. कर और संदेशखाली तक ये लोग मुंह में दही जमाए थे। राजनैतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर कोई न कोई केस चल रहा है और सत्ता जाने के बाद ममता दीदी में इनको बचाने का सारथ्य नहीं रहे तो ये भविष्य में किसी जांच और सजा से बचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। तृणमूल सांसदों व विधायकों की लगातार बगावत से यह संकेत भी जा रहा है कि क्या ममता दीदी का अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अधिक झुकाव उनकी पार्टी की इस हालत का कारण है। इससे तृणमूल के बागी नेताओं के स्वार्थी चरित्र की भी पोल खुल रही है। दल में तानाशाही इनको तब दिखाई दी जब सत्ता की मलाई छीन गई, यदि अभिषेक बनर्जी की अगुआई में पार्टी जीत गई होती और इनका लूट खसोट का धंधा चलता रहता तो इनकी आज जागी हुई आत्मा सोई पड़ी रहती।

आज जो सांसद बगावती तेवर अपना रहे हैं उनमें से दस पहली बार चुनकर आए हैं। ये तृणमूल नेताओं की वो पीढ़ी है जिसे ममता बनर्जी ने बीजेपी के खिलाफ लड़ाई का नया चेहरा बनाकर आगे बढ़ाया था। अब यही लोग अपना भविष्य सुधारने के लिए ममता दीदी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, क्योंकि ये जानते हैं बंगाल में सत्ता में आई पार्टियाँ कम से कम डेढ़-दो दशक सता में रहती हैं, इस तरह आने वाले 15-20 वर्षों तक इनका कोई भविष्य नहीं होगा।

तृणमूल नेताओं के प्रति जनता के गुस्से का आलम ये है कि चुनाव में पार्टी को धूल चटाने के बाद भी उसका मन नहीं भरा है। आए दिन तृणमूल नेताओं की सड़कों पिटाई की जा रही है। तृणमूल नेता जहां भी जाते हैं जनता उन्हें चोर-चोर कहकर पुकारती है और उन पर टमाटर-अंडे फेंकती है। अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे नेताओ तक पर अंडे टमाटर फेंके जा चुके हैं और पिटाई हो चुकी है। यह भी संभव कि बंगाल की जनता में व्याप्त इस भयंकर आक्रोश से बचने के लिए भी तृणमूल नेता बगावती हो रहे हों। तृणमूल के जिला स्तरीय नामचीन नेता इस्तीफा दे रहे हैं। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, चंदन नगर के मेयर राम चक्रवर्ती, बिधान नगर के मेयर कृष्णा चक्रवर्ती और कटवा म्युनिसिपलिटी चेयरमैन कमलकांता चक्रवर्ती ने सौ से अधिक पार्षदों सहित इस्तीफा दे दिया है। राज्यभर से तृणमूल से लगातार इस्तीफों व बगावत के समाचार आ रहे हैं। हुगली, नादिया, मुर्शिदाबाद और उत्तर व दक्षिण -24 परगना जैसे गढ़ों में प्रतिदिन पंचायत सदस्यों के पाला बदलने की ख़बरें आ रही हैं। टीएमसी में बगावत व इस्तीफों के बाद कोलकाता नगर निगम ही भंग कर दिया गया है।

बंगाल में यह भी दावा किया जा रहा है कि इनमें से बहुत से लोग जेल जाने से बचने के लिए यह तरीका अपना रहे हैं। अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर मॉडल का कुख्यात चेहरा और चुनावों के दौरान अपने आप को पुष्पा कहने वाला फाल्टा विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार जहाँगीर खां के जेल जाने से अफरा तफरी का माहौल है। तृणमूल नेताओं के पाप जैसे उतरा रहे हैं। बंगाल पुलिस को संदेशखाली के तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार मिले हैं, एक खेत से करोड़ों का कैश और हथियार मिले हैं। बमों व अन्य हथियारों की फैक्ट्रियां मिल रही हैं। हजारों की संख्या में सफ़ेद साड़ियाँ मिली हैं जो तृणमूल ने चार मई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की विधवाओं को देने के लिए रखी थीं यदि गलती से भी तृणमूल जीत जाती तो यही लोग जो आज इस्तीफा देकर भाग रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं के नर संहार का नेतृत्व करते। अपराधों की जो फेहरिस्त है उसे देखकर लगता है कि ममता दीदी और उनके चाटुकारों का शेष जीवन अब कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने या फिर जेल में ही बीतने वाला है। एक समय वाराणसी लोकसभा से पीएम नरेंद्र मोदी को हराने और दिल्ली आकर इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली ममता दीदी के लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा कर रखना भी मुश्किल हो चुका है।

# गृहिणियां राष्ट्र निर्माता हैं, समझिए कैसे? उनके कार्यगत योगदान को कदापि कम मत आंकिए

**महिलाओं द्वारा किया जाने वाला अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्य भारत की GDP में अनुमानत: 15-17% तक योगदान देता है, फिर भी उसे पर्याप्त मान्यता नहीं मिलती।**

**कमलेश पांडे**

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में गृहिणियों के योगदान पर एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि 'गृहिणियां राष्ट्र निर्माता हैं' और उनके घरेलू व देखभाल संबंधी कार्यों का वास्तविक आर्थिक मूल्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी प्रमुख टिप्पणियों में कहा कि गृहिणी को केवल 'आश्रित' मानना गलत है; वास्तव में पूरा परिवार उनके श्रम और देखभाल पर निर्भर रहता है।

लिहाजा, महिलाओं द्वारा किया जाने वाला अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्य भारत की GDP में अनुमानतः 15-17% तक योगदान देता है, फिर भी उसे पर्याप्त मान्यता नहीं मिलती। वह गृहणियां ही हैं जो बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा, संस्कार और मानव संसाधन निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में प्रत्यक्ष भूमिका निभाती हैं। इसलिए अदालत ने कहा कि घरेलू कार्य को आर्थिक विश्लेषण से बाहर रखना उचित नहीं है और कानून को गृहिणियों के श्रम, सेवा और त्याग का मूल्य स्वीकार करना चाहिए। निष्कर्ष यह कि गृहिणियां राष्ट्र निर्माता हैं, इसलिए उनके कार्यगत योगदान को कम मत आंकिए।

देखा जाए तो एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सुप्रीम कोर्ट ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामलों में गृहिणी के घरेलू योगदान का मूल्यांकन करते हुए कम-से-कम 30,000 प्रतिमाह का मानक निर्धारित किया है तथा 'loss of domestic care' को अलग क्षतिपूर्ति मद के रूप में मान्यता दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी कहा था कि, 'गृहिणी का घर में किया गया कार्य उसके कार्यालय जाने वाले पति के काम से कम मूल्यवान नहीं है।'

इसलिए न्यायपालिका का दृष्टिकोण अब स्पष्ट रूप से यह है कि गृहिणियां केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि आर्थिक योगदानकर्ता और राष्ट्र निर्माता हैं। चुनौती अब यह है कि सरकारें, निजी संस्थान और समाज इस न्यायिक मान्यता को सामाजिक और आर्थिक नीतियों में कितना उतारते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि गृहिणियों का योगदान भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि उनके श्रम को अक्सर 'काम' के बजाय 'कर्तव्य' मान लिया जाता है।

इसी कारण उनके योगदान को वह संस्थागत मान्यता नहीं मिल पाती जिसकी वे हकदार हैं। सवाल है कि गृहिणियों का आर्थिक योगदान कितना बड़ा है? तो अर्थशास्त्रियों और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार यदि घर के भीतर किए जाने वाले कार्य—जैसे भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घरेलू प्रबंधन, भावनात्मक देखभाल आदि—का बाजार मूल्य जोड़ा जाए, तो इसका योगदान GDP के 15% से 40% तक आंका गया है। भारत में कई अध्ययनों ने इसे लगभग 15-17% या उससे भी अधिक बताया है।

पहला, जीडीपी की गणना का तरीकाः GDP केवल उन वस्तुओं और सेवाओं को गिनता है जिनका बाजार में लेन-देन होता है। गृहिणी का श्रम घर के भीतर होता है, इसलिए वह राष्ट्रीय आय के आंकड़ों में सीधे नहीं दिखता।

दूसरा, ऐतिहासिक सामाजिक दृष्टिकोणः सदियों से घरेलू कार्यों को महिलाओं का 'स्वाभाविक दायित्व' माना गया। जब किसी कार्य को कर्तव्य मान लिया जाता है, तो उसका आर्थिक मूल्यांकन कम हो जाता है।

तीसरा, श्रम का अदृश्य होनाः एक गृहिणी दिनभर में दर्जनों काम करती है, लेकिन वे छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे होते हैं। इसलिए उनका श्रम उतना दिखाई नहीं देता जितना किसी कार्यालय या फैक्ट्री में काम करने वाले व्यक्ति का।

चौथा, नीति निर्माण में कम प्रतिनिधित्वः सत्ता और नीति-निर्माण संस्थानों में लंबे समय तक पुरुषों का वर्चस्व रहा। परिणामस्वरूप घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्यांकन का प्रश्न प्राथमिकता नहीं बन पाया।

पांचवां, वेतन और मूल्य का भ्रमः समाज अक्सर मानता है कि जिस काम के बदले वेतन नहीं मिलता, उसका आर्थिक मूल्य भी नहीं है। जबकि गृहिणी का श्रम परिवार की आय और उत्पादकता को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ाता है।

पहला, घरेलू श्रम का नियमित आर्थिक मूल्यांकन। दूसरा, जनगणना और राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में गृहिणी श्रम का अलग लेखा-जोखा। तीसरा, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और बीमा योजनाओं का विस्तार। चौथा, घरेलू कार्यों को 'अनपेड वर्क' के रूप में नीति दस्तावेजों में मान्यता। और पांचवां, परिवारों में घरेलू जिम्मेदारियों का अधिक समान वितरण। गृहिणी केवल घर नहीं संभालती, वह भविष्य की पीढ़ी का निर्माण करती है। एक शिक्षक, डॉक्टर, सैनिक, वैज्ञानिक, उद्यमी या नेता बनने से पहले हर व्यक्ति किसी परिवार में पलता-बढ़ता है। उस प्रक्रिया में गृहिणियों का योगदान आधारशिला जैसा होता है। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि गृहिणियां केवल परिवार निर्माता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता भी हैं। चुनौती यह है कि समाज और संस्थाएं इस योगदान को भावनात्मक सम्मान के साथ-साथ आर्थिक और नीतिगत मान्यता भी दें।

'नारी तुम केवल श्रद्धा हो' — नामक कवि जयशंकर प्रसाद की प्रसिद्ध पंक्ति भारतीय समाज में स्त्री के सम्मान का आदर्श प्रस्तुत करती है। लेकिन आज यह प्रश्न स्वाभाविक है कि केवल श्रद्धा, सम्मान और प्रशंसा के शब्दों से कब तक काम चलेगा? यदि एक ओर स्त्री को 'देवी', 'शक्ति', 'मां' और 'राष्ट्र निर्माता' कहा जाए, और दूसरी ओर उसके श्रम, अधिकारों और योगदान को उचित मान्यता न मिले, तो यह विरोधाभास ही माना जाएगा।

गृहिणियों के संदर्भ में यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है। यदि वे परिवार की आधारशिला हैं, बच्चों के माध्यम से भविष्य के नागरिकों का निर्माण करती हैं, उनका अवैतनिक श्रम अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देता है, और सर्वोच्च न्यायालय भी उन्हें 'राष्ट्र निर्माता' मानता है, तो फिर केवल काव्यात्मक सम्मान पर्याप्त नहीं है। इसलिए आज आवश्यकता है कि सम्मान के साथ आर्थिक मान्यता की, प्रशंसा के साथ सामाजिक सुरक्षा की, आदर्शवाद के साथ नीतिगत बदलावों की, और प्रतीकात्मक गौरव के साथ व्यावहारिक अधिकारों की।

इसी भावना को आधुनिक संदर्भ में यूँ कहा जा सकता है- नारी तुम केवल श्रद्धा हो, यह कहना अब पर्याप्त नहीं, तुम श्रम हो, सृजन हो, सामर्थ्य हो, तुम्हारा मूल्यांकन भी आवश्यक है। सम्मान के शब्द मधुर हैं, पर न्याय उससे भी अधिक आवश्यक है। दरअसल, 21वीं सदी की स्त्री-विमर्श का एक बड़ा संदेश यही है कि स्त्री को केवल पूजने या महिमामंडित करने के बजाय उसके योगदान को वास्तविक अवसर, अधिकार और मान्यता दी जाए। तभी 'नारी तुम केवल श्रद्धा हो' जैसी पंक्तियां अपने पूर्ण अर्थ में सार्थक होंगी।

### टिप्पणी

## स्थितियां और कठिन

पुलिस के निशाने पर वे कॉन्सर्ट्स हैं, जहां शराब की आड़ में ड्रग्स के सेवन का आरोप है। अब प्रशासन ने नो-अल्कोहल की शर्त लगा दी है, तो इन इवेंट्स की चमक भी चली गई है।

तकरीबन डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉन्सर्ट इकॉनमी की चर्चा करते हुए संदेश दिया था कि भारत में लाइव म्यूजिक और अन्य इवेंट्स की अपार संभावनाएं हैं। उसके बाद इस वर्ष संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सरकार ने इस क्षेत्र को विकास के एक उभरते इंजन के रूप में पेश किया। रिपोर्ट में इसे ऑरेंज इकॉनमी का हिस्सा बताया गया। इसका जिक्र किया गया कि 2024 में भारत का लाइव एंटरटेनमेंट सेक्टर 10,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। कोल्डप्ले, डुआ लिपा, लिनकिन पार्क, मरून-5 आदि जैसे बैंड्स और ए.पी. ढिल्लन, दलजीत दोसांज आदि जैसे कलाकारों के इवेंट्स में उमड़ रही भीड़ से इस उद्योग के और फूलने-फलने की आस जोड़ गई थी।

लेकिन हालिया घटनाओं से इस कथित इंडस्ट्री की चमक फीकी पड़ गई है। इस कारोबार के गढ़ मुंबई में गुजरे अप्रैल में एक इवेंट के दौरान नशे के ओवरडोज से दो छात्रों की मौत की खबर ने अधिकारियों के कान खड़े कर दिए। पुलिस कार्रवाई शुरू हुई। उससे घटनाओं का जो सिलसिला चला, उस कारण कई तय इवेंट अचानक रद्द करने पड़े। इससे तय कार्यक्रमों को लेकर अनिश्चय का माहौल बन गया है। बताया जाता है कि आयोजकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय शोहरत के जिन कलाकारों के कार्यक्रम तय किए गए, उनको लेकर अनिश्चय घिरा हुआ है। पुलिस कार्रवाई के निशाने पर मुख्य रूप से वे आउटडोर इवेंट्स हैं, जिनके बारे में आरोप है कि शराब की आड़ में वहां मादक पदार्थों का सेवन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि चूंकि अब प्रशासन ने नो-अल्कोहल की शर्त लगा दी है, तो इन इवेंट्स की चमक भी चली गई है। ये चेतावनी पहले ही दी गई थी कि भारत में बड़े पैमाने पर कॉन्सर्ट आयोजित करने के लिए पर्याप्त आधुनिक स्टेडियम या ऑडिटोरियम नहीं हैं। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा मानकों पर अमल की चुनौती भी है। ये सब किए बिना कॉन्सर्ट इकॉनमी का गुणगान शुरू कर दिया गया। अब मुश्किलें सिर चढ़ कर बोल रही हैं। ईरान युद्ध से बढ़ी महंगाई ने स्थितियां और कठिन बना दी है।

### ब्लॉग

## मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

**ललित गर्ग**

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल

लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-"अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।" उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-"मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?" किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

# 93 साल की उम्र में पूर्व प्रधान ने पहली बार की हवाई यात्रा, जेवर से पहुंचे लखनऊ, कही दिल छू लेने वाली बात

आर्यावर्त संवाददाता

**नोएडा।** जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कमर्शियल फ्लाइट्स का ऑपरेशन शुरू हो गया है। लेकिन इस एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली पहली फ्लाइट बेहद खास और ऐतिहासिक रही। जब नवनिर्मित एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट ने आसमान छुआ, तो उसमें देश के बड़े-बड़े बिजनेसमैन नहीं, बल्कि जेवर के वो किसान सवार थे जिन्होंने इस एयरपोर्ट के निर्माण के लिए अपनी पूंजी और जमीनें दान कर दी थीं। कुल 172 किसानों और उनके परिवारों को इस पहली हवाई यात्रा का गौरवशाली हिस्सा बनाया गया।

इस जत्थे में कई ऐसे भावुक कर देने वाले चेहरे थे, जो जिंदगी में पहली बार हवाई जहाज में बैठ रहे थे। इनमें 93 साल के एक बुजुर्ग किसान भी शामिल थे, जो अपने गांव के प्रधान रह चुके हैं। उन्होंने जेवर के विकास के लिए अपनी 150 बीघा जमीन दी थी। मोटा मुआवजा और प्लॉट मिलने के बाद भी वे कभी फ्लाइट में नहीं बैठे थे, लेकिन आज उनका यह सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा- मेरा सपना आज पूरा हुआ हवाई यात्रा करने का।

यात्रा में कई महिला किसान और व्हीलचेयर पर बैठे बुजुर्ग भी शामिल थे। व्हीलचेयर पर बैठे एक किसान ने भावुक होकर कहा, "अगर हवाई यात्रा में ऐसी शानदार व्यवस्था मिले, तो हम जैसी उम्र के लोग भी आराम से सफर कर सकते हैं। आज पहली बार यह मौका मिला है।"

### मुस्लिम किसान भी शामिल, बोले- 'मोदी-योगी ने किया विकास'

इस अनूठे समूह में अल्पसंख्यक समुदाय के किसान भी बढ़-चढ़कर शामिल हुए। Tv9 भारतवर्ष से बातचीत के दौरान मुस्लिम किसानों ने साफ तौर पर विकास की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी ने जेवर का कायाकल्प कर दिया है। वे सरकार के इस विजन और जमीनी स्तर पर हुए अच्छे काम से बेहद खुश हैं।

### विधायक धीरेंद्र सिंह बोले- 'हवाई चप्पल वाले का सपना हुआ पूरा'

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह इन सभी किसानों को अपने साथ लेकर लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को याद किया, जिसमें पीएम ने कहा था कि वे चाहते हैं कि हवाई चप्पल पहनने वाला आम इंसान भी हवाई यात्रा करे। विधायक ने कहा कि आज जेवर के अन्नदाताओं को आसमान में उड़ते देख वह वादा सच साबित हो गया है।

### सियासी संदेश और किसानों का सीधा संवाद

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अक्सर गन्ने के भुगतान और भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों के बीच असंतोष की खबरें आती रहती हैं। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच किसानों, महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदाय को इस पहली उड़ान का हिस्सा बनाना और लखनऊ ले जाकर मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करवाना सरकार की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

सफर कर रहे किसानों ने भी बातचीत में साफ किया कि उन्हें जमीन के बदले सही प्लॉट और मुआवजा मिल चुका है, इसलिए अब उनके भीतर किसी भी तरह की नाराजगी या शिकायत नहीं बची है।

# राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सख्त कार्रवाई की मांग, बेटियों पर अभद्र टिप्पणी अस्वीकार्य : अनुप्रिया पटेल

आर्यावर्त संवाददाता

**सुलतानपुर।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और राजनीतिक परिवारों की बेटियों पर सोशल मीडिया पर की जा रही अभद्र टिप्पणियों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। सुल्तानपुर में आयोजित एक कार्यकर्ता समागम में उन्होंने इन मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की।

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना पर केंद्रीय मंत्री ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि आस्था के केंद्र से जुड़ी ऐसी घटनाएं करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए विशेष जांच दल का गठन किया है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे पवित्र स्थलों पर किसी भी तरह की अनियमितता या चोरी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। वहीं, अखिलेश यादव की बेटी को लेकर सोशल मीडिया पर हुई अशोभनीय टिप्पणियों के सवाल पर अनुप्रिया पटेल ने कहा कि राजनीति की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन परिवार और बच्चों को राजनीतिक विवादों से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिवार की बेटी के खिलाफ अभद्र या अमर्यादित टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उनका कहना था कि समाज की हर बेटी सम्मान और सुरक्षा की हकदार है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लंबे समय बाद देश में विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकृत आंकड़े सामने आएंगे।

# बुलंदशहर में मामूली विवाद के बाद पति-पत्नी ने खाया जहर, दोनों की मौत, इसी साल हुई थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

**बुलंदशहर।** स्याना क्षेत्र के ग्राम नहचौली में एक दुखद घटना सामने आई है। गृह क्लेश से परेशान होकर 24 वर्षीय राहुल लोधी और उनकी 22 वर्षीय पत्नी नेहा ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

दोनों की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें मेरठ के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में घटना का कारण पारिवारिक विवाद बताया गया है। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम मेरठ मेडिकल कॉलेज में कराया जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2026 में ही हुई थी शादी

राहुल और नेहा का विवाह इसी वर्ष हुआ था। राहुल अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। उसके पिता संजय सिंह का लगभग पांच वर्ष पहले हृदयाघात से निधन हो चुका है। परिवार में उनकी मां बिजेंद्री देवी और बड़ी बहन अंजलि हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद गांव और परिवार में शोक का माहौल है। कोतवाली प्रभारी रामनारायण सिंह ने बताया कि परिजनों ने गृह क्लेश के चलते दोनों द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की सूचना दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### उप निबंधक कार्यालय बल्दीराय को डाक बंगले में स्थानांतरित किए जाने की उठी मांग

**बल्दीराय/सुलतानपुर।** उप निबंधक कार्यालय बल्दीराय को वर्तमान किराए के भवन से स्थानांतरित कर पुरानी तहसील परिसर स्थित डाक बंगले में संचालित किए जाने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में सोमवार को समस्त दस्तावेज लेखकों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक प्रार्थना पत्र रजिस्टर्ड डाक के जरिए भेजा है दस्तावेज लेखकों का कहना है कि वर्तमान में उप निबंधक कार्यालय जिस भवन में संचालित हो रहा है, वहां पार्किंग, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इसके चलते दस्तावेज लेखकों, तथा रजिस्ट्री कराने आने वाले लोगों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि पुरानी तहसील परिसर स्थित डाक बंगला पर्याप्त स्थान एवं बेहतर सुविधाओं से युक्त है। वहां कार्यालय स्थानांतरित किए जाने से आम जनता को सुविधा मिलेगी तथा वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था भी उपलब्ध हो सकेगी।

# 6 घंटे में सुलझी ललितपुर मर्डर मिस्ट्री... मालिश करने से किया था राजकुमार ने मना, 3 दोस्तों ने मिलकर मार डाला, हुए अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

**ललितपुर।** उत्तर प्रदेश के ललितपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शराब पार्टी के दौरान मामूली बात पर हुए विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। ललितपुर कोतवाली पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वारदात के महज 6 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को धर दबोचा है। पुलिस जांच के मुताबिक, मृतक राजकुमार उर्फ छन्नू को उसके साथियों ने शराब पार्टी के लिए बुलाया था। चारों लोग सुबह से ही एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे।

इसी बीच आरोपियों ने राजकुमार से अपने पैर दबाने (मालिश करने) को कहा। राजकुमार ने जब इससे साफ इंकार कर दिया, तो उनके बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि शराब के नशे में धुत आरोपियों ने बेल्ट और लोहे की भारी रॉड से राजकुमार पर हमला कर दिया। इस बर्बर पिटाई के कारण राजकुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

### एक्सीडेंट का रूप देने के लिए सड़क किनारे फेंका शव

अपराध को छिपाने के लिए आरोपियों ने खौफनाक साजिश रची। उन्होंने राजकुमार के शव को घर से उठाकर नई बस्ती में गुरुनानक धर्मशाला के पास सड़क किनारे फेंक दिया, ताकि यह पूरा मामला एक सड़क दुर्घटना (हिट एंड रन) जैसा लगे। हालांकि, पुलिस को शव की स्थिति देखकर शक हुआ। फॉरेंसिक टीम, सर्विलांस और वैज्ञानिक साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने कड़ियां जोड़ीं और पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

### गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन (38), गजेन्द्र नरवरिया उर्फ गजेन्द्र सिंह राजपूत (37) और गौरव रैकवार (25) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी सम्यक और गजेंद्र शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके खिलाफ पहले से ही गैंगस्टर एक्ट, सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और जानलेवा हमले जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या (बीएनएस धारा 103(1)) और एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

# संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता युवती की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

**कुड़वार/सुल्तानपुर।** एक माह पहले मायके आई युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर स्टोर रूम में लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम व मजिस्ट्रेट बुलाकर विधिक कार्यवाही शुरू की।

मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के धरावा गांव से जुड़ा है। गांव निवासी अलीम पुत्र नूर मोहम्मद शाह की पुत्री ताहिरा बानो (26) बीते एक माह से मायके में थी। सोमवार को भोर में परिजनो ने देखा कि ताहिरा पंखे के सहारे दुपट्टे से लटकी है। जिसकी सूचना मृतका के पिता ने पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम व मजिस्ट्रेट को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य संकलित किए। नायब तहसीलदार कुड़वार धर्मेंद्र यादव की मौजूदगी ने पुलिस ने शव को नीचे उतरवा कर पंचनामा कराया। पुलिस ने पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।मृतका की तीन वर्ष पहले बल्दीराय थाना क्षेत्र के इसौली गांव निवासी शान बाबू से शादी हुई थी। जिसकी डेढ़ वर्षीय पुत्र फरहान है।प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मृतका के पिता की सूचना पर शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

# बरेली पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, 46 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर... किसे मिली बड़ी जिम्मेदारी?

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** यूपी के बरेली जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एसएसपी अनुराग आर्य ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। एसएसपी ने 2 निरीक्षकों सहित कुल 46 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल में कई उपनिरीक्षकों और चौकी प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक अजीत सिंह को रिजर्व पुलिस लाइंस से थाना शीशगढ़ में इंस्पेक्टर क्राइम नियुक्त किया गया है। वहीं निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह को रिजर्व पुलिस लाइंस से प्रेमनगर थाने में इंस्पेक्टर क्राइम की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिरीक्षक श्रीनिवास को मीरगंज से ट्रांसफर कर थाना कैंट

भेजा गया है।

### प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव

एसएसपी के आदेश के बाद जिले की कई महत्वपूर्ण चौकियों के प्रभारियों को भी बदल दिया गया है। पुनीत कुमार को भुता से हटाकर ढकिया डाम चौकी का प्रभारी बनाया गया है, जबकि रविराज पावड़िया को ढकिया डाम चौकी से कोतवाली क्षेत्र की चौकी चौराहा भेजा गया है। राजेंद्र सिंह को जिला अस्पताल चौकी का प्रभारी बनाया गया है। वहीं सुदीप बघेल को जिला अस्पताल चौकी से शाहबाद चौकी और आशीष कुमार को शाहबाद चौकी से थाना सीबीगंज भेजा गया है।

इसके अलावा अजय शर्मा को सद्भावना चौकी, लोकेश तोमर को देवरनियां चौकी, गौरव कुमार अत्री को टीपी नगर चौकी और हरेंद्र प्रताप सिंह को बभिया चौकी का प्रभार सौंपा गया है। बारादरी क्षेत्र की मॉडल टाउन चौकी का प्रभार सौरभ डेढ़ा को दिया गया है, जबकि जितेंद्र कुमार को मढ़ीनाथ चौकी और रविंद्र सिंह को करगैना चौकी भेजा गया है।

### बदलाव में महिला सुरक्षा को प्राथमिकता

महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अंजलि सिसौदिया को महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दयानंद को केंद्रीय कारागार चौकी, ऋषि मित्र को बेबल बसंतपुर चौकी और अखिल प्रताप सिंह को थाना आंवला भेजा गया है।

इसके अलावा गोविंद सिंह, सुरेंद्र सिंह समेत कई पुलिसकर्मियों को रिजर्व पुलिस लाइन्स से विभिन्न थानों और शाखाओं में नई तैनाती दी गई है। शुभम कुमार को प्रेमनगर से आंवला और विजय सिंह तेवतिया को देवरनियां से क्योलड़िया थाना भेजा गया है।

एसएसपी का मानना है कि इस बड़े फेरबदल से थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और आम जनता को बेहतर और त्वरित पुलिस सेवाएं मिल सकेंगी। आने वाले दिनों में नई तैनातियों का असर जिले की कानून-व्यवस्था और जनसुनवाई व्यवस्था पर देखने को मिल सकता है।

# नदी में नहाने गए किसान की डूबकर मौत

आर्यावर्त संवाददाता

**कुड़वार/सुल्तानपुर।** घर से गाय चराने निकला किसान गांव स्थित नदी में नहाने चला गया।नहाते समय किसान गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोरों द्वारा करीब 04 घंटे खोजबीन के बाद किसान का शव नदी से निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस विधिक कार्यवाही में जुटी है।

सोमवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के पहड़ौली गांव निवासी द्वारिका निषाद(45)पुत्र नंगू निषाद घर से गाय चराने मिठनेपुर गांव ने गोमती नदी के किनारे गया था। गाय चराते समय भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए नदी में नहाने चला गया। जहां नहाते समय गहरे पानी में जाकर डूब गया। हल्ला गुहार पर पहुंचे ग्रामीण गोताखोरों ने नदी में उतर कर खोजबीन की लेकिन काफी देर तक सफलता नहीं मिली। करीब 04 घंटे बाद किसान का शव सरैया घाट पर मिला। शव मिलने की सूचना पर पहुंचे परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी निर्मला, बेटियां सविता व कविता सहित बेटों वीरू,राकेश व नन्हेलाल का रो रो कर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

# बरेली में चाइनीज मांझे से गन्ना मंत्री के भतीजे की गर्दन कटी, निजी अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** बरेली में चाइनीज मांझे से फिर दर्दनाक हादसा हुआ है। शहर के श्यामगंज फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से प्रदेश के गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार के भतीजे 15 वर्षीय वीर सिंह गंगवार की गर्दन कट गई। स्थानीय लोगों की मदद से वीर सिंह को तत्काल ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वीर सिंह राज्यमंत्री के भाई ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार के पुत्र हैं, जो सोमवार को अपनी स्कूटी से कहीं जा रहे थे। अचानक मांझा गले में फंसने से वीर सिंह अनियंत्रित होकर स्कूटी समेत फ्लाईओवर पर ही गिर पड़े। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। निजी अस्पताल में भर्ती वीर सिंह की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

### गन्ना राज्यमंत्री बरेली पहुंचे

घटना की सूचना मिलते ही पीलीभीत से गन्ना मंत्री संजय गंगवार तत्काल बरेली पहुंचे। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने अपने भतीजे का हाल जाना और डॉक्टरों से उपचार के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों से वार्ता में मंत्री ने कहा कि चाइनीज मांझा पूरी तरह से प्रतिबंधित है, बावजूद इसके शहर में इसका उपयोग होना चिंता का विषय है।

### डीएम-एसएसपी से करेंगे बात

उन्होंने बताया कि सरकार चाइनीज मांझे पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। वह डीएम, एसएसपी से बात करेंगे। एसएसपी अनुराग आर्य ने भी इस संबंध में वीडियो बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा बाजार में कैसे पहुंच रहा है, इस पर कार्रवाई की जाएगी। बरेली पुलिस पहले भी इस तरह का मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर चुकी है। पुलिस दोबारा से उन इलाकों में जांच पड़ताल करेगी जहां पर इस तरह के मांझे की बिक्री और खरीद फरोख्त होती है। बता दें कि चाइनीज मांझे से पहले ही कई हादसे हो चुके हैं।

## जेईई मेन्स परीक्षा में दीपिका सोनकर ने लहराया परचम

**बल्दीराय/सुल्तानपुर।** क्षेत्र के कस्बा इसौली की प्रतिभाशाली छात्रा दीपिका सोनकर ने जेईई मेन्स परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दीपिका ने प्रथम प्रयास में ही परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑल इंडिया रैंक (।प्त) 1,43,725 तथा अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग में 6,671वीं रैंक प्राप्त की है। दीपिका की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके पिता राजेश शहर में रहकर मेहनत-मजदूरी/नौकरी कर परिवार का खर्च चलाते हैं, जबकि माता मनोज देवी गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद दीपिका ने कड़ी मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता हासिल की। दीपिका ने अपनी प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा नवोदय विद्यालय से प्राप्त की और वहीं से पढ़ाई करते हुए पहली ही बार में जेईई मेन्स जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता अर्जित की।

# देवरिया में तत्काल रेलवे टिकट लाइन को लेकर विवाद.... युवक की जमकर पिटाई, साथी को पुलिस से छुड़ा ले गए आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

**देवरिया।** यूपी के देवरिया जिले के रेलवे स्टेशन परिसर में मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कई युवक एक युवक की बेरहमी से पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। मामले की जांच में पता चला कि यह घटना भाटपार रानी रेलवे स्टेशन की है, जहां तत्काल टिकट को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई।

जानकारी के अनुसार, रोहित नाम का एक युवक शनिवार रात तत्काल टिकट लेने के लिए रेलवे स्टेशन पर लाइन में खड़ा था। बताया जा रहा है कि टिकट काउंटर खुलने से पहले ही कुछ युवक वहां पहुंचे और रोहित को लाइन से हटाकर खुद उसकी जगह खड़े हो गए। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई

### युवक की घेर कर पिटाई

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने के बाद आरोपियों ने रोहित को घेर लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। स्टेशन परिसर में मौजूद लोगों के सामने युवक को पीटा गया, लेकिन काफी देर तक कोई उसे बचाने के लिए आगे नहीं आया। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

### साथी को जबरन छुड़ाकर हो गए फरार

हंगामे की सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि पुलिस के पहुंचने के बाद भी कुछ युवक उग्र बने रहे और पुलिसकर्मियों से बहस करने लगे। आरोप है कि युवक अपने एक साथी को पुलिस की पकड़ से छुड़ाकर वहां से फरार हो गए।

घटना के बाद घायल युवक ने पूरे मामले की शिकायत जीआरपी से की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

जीआरपी अधिकारियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर कानून व्यवस्था बिगाड़ने और मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि घटना में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

# ब्रेन ट्यूमर के इन संकेतों को स्ट्रेस या माइग्रेन समझने की न करें गलती

ब्रेन ट्यूमर को लेकर अक्सर लोगों में कंफ्यूजन बनी रहती है। इसके शुरुआती लक्षण बहुत हल्के और नॉर्मल होते हैं। इसलिए लोग इसे स्ट्रेस या माइग्रेन समझने की गलती करते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि माइग्रेन के किन संकेतों को हमें भूल से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं कि हर समय होने वाले स्ट्रेस, माइग्रेन या सिर दर्द को नॉर्मल लेना भारी पड़ सकता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कुछ लोग ब्रेन ट्यूमर की चपेट में होते हैं और उसे वे माइग्रेन या नॉर्मल सिर में दर्द समझने की भूल करते हैं। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर का नाम सुनते ही लोगों की पैरों तले जमीन खिसक जाती है। दिमाग की इस बीमारी के शुरुआती लक्षण बहुत हल्के और सामान्य होते हैं। इसलिए अधिकतर लोग ये समझ ही नहीं पाते हैं कि उन्हें ब्रेन ट्यूमर जैसी दिमाग की गंभीर बीमारी हो गई है। वो इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। दरअसल, आज के टाइम में थकावट और स्ट्रेस का होना नॉर्मल है और इसी वजह से आम परेशानी और गंभीर बीमारी के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है।

गंभीर बीमारी के लक्षण लगातार बने रहते हैं और इन्हें भूल से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर होने पर शरीर में कौन-कौन से संकेत नजर आते हैं।

न्यूरो सर्जन डॉक्टर प्रवीण गुप्ता कहते हैं कि ट्यूमर का निरन्तर बढ़ना, सिरदर्द, दौरों (सीजर्स), दृष्टि संबंधी समस्याएं, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या बोलने में कठिनाई जैसे लक्षण नजर आते हैं।

### अलग तरह का सिर दर्द

ब्रेन ट्यूमर के होने पर एक अलग तरह का सिर दर्द होता है ये नॉर्मल तनाव जैसा नहीं होता। ये धीरे-धीरे बढ़ सकता है और हर बार परेशान करता है। खास बात है कि सुबह के समय काफी तेज होता है। इतना ही नहीं अगर पेशेंट को खांसी आती है, झुकने या लेटने पर भी तेज दर्द और बढ़ जाता है। लोग ऐसा समझते हैं कि ठीक से नींद न आना या स्ट्रेस की वजह से ये सिर दर्द हो रहा है। अगर ये सिर दर्द लगातार हो तो डॉक्टर से कॉन्टेक्ट जरूर करना चाहिए।

### हर समय मतली का महसूस होना

अगर किसी को सुबह बार-बार मतली या उल्टी आती है तो दिमाग के अंदर बढ़ने वाला एक दबाव है। लोग इसे एसिडिटी या खराब डाइजेशन से जुड़ी प्रॉब्लम मान लेते हैं। ऐसे में सही कारण का देरी से पता चलता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ऐसा बार-बार होना बड़ी चिंता का कारण है।

### नजर से जुड़ी प्रॉब्लम

ऐसा कहा जाता है कि कभी-कभी ट्यूमर हमारे दिमाग की उन जगहों पर असर डालता है जो देखने की पावर को कंट्रोल करते हैं। इस वजह से धुंधला दिखना, डबल विजन और कुछ देर के लिए नजर चले जाने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। इतना ही नहीं तेज रोशनी दिखाई देना या साइड से ठीक से देख न पाना जैसी प्रॉब्लम भी होती है। लोगों को लगता है कि मोबाइल ज्यादा देर चलाने से ऐसा हो रहा है। ये गलती भारी पड़ सकती है।

### याददाश्त पर असर

चीजों को भूलना, फोकस न कर पाना या फिर कंफ्यूजन की सिचुएशन भी ब्रेन ट्यूमर के संकेत हैं। इसके अलावा बात करते हुए सही शब्द याद न आना भी इसका लक्षण है। कभी-कभी कुछ लोगों ये मान लेते हैं कि मेंटल हेल्थ के बिगड़े होने, स्ट्रेस और बर्नआउट की वजह से ऐसा हो रहा है।

### चक्कर आना या संतुलन बिगड़ना

चलने में दिक्कत, बैलेंस का बिगड़ना, चक्कर आना और शरीर के कोआर्डिनेशन में गड़बड़ी एक बड़ा संकेत है। कई बार इसे लोग नॉर्मल कमजोरी या ब्लड प्रेशर से जुड़ी प्रॉब्लम मान लेते हैं। हर समय चक्कर आना या फिर थकान रहना ब्रेन ट्यूमर का लक्षण होता है। इसे नजरअंदाज करने की गलती न करें।

### बिना वजह दौरे (सीजर्स) पड़ना

कुछ मामलों में दौरे ब्रेन ट्यूमर के शुरुआती संकेतों में शामिल हो सकते हैं। अचानक शरीर में झटके आना, बेहोश हो जाना, कुछ समय तक एकटक देखते रहना या थोड़ी देर के लिए भ्रम की स्थिति पैदा होना जैसे लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

दिमाग की इस बीमारी का इलाज कई चीजों पर डिपेंड करता है। इसमें इसका टाइप, साइज और जगह मैटर करती है। वैसे आजकल कई बेस्ट ट्रीटमेंट आ गए है। पेशेंट की कंडीशन को देखते हुए सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी जैसी कई टेकनिक्स का यूज किया जा सकता है।

# बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं ये 5 गलतियां, इनसे बचें

बालों के झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें बालों की देखभाल से जुड़ी गलतियां शामिल हैं। अक्सर लोग अपने बालों की देखभाल करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल झड़ने लगते हैं। आइए आज हम आपको बालों की देखभाल से जुड़ी ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं।

### रोजाना शैंपू करने की गलती

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो रोजाना अपने सिर पर शैंपू करते हैं तो यह बालों की देखभाल से जुड़ी सबसे बड़ी गलती है। रोजाना शैंपू करने से सिर का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल टूटने लगते हैं। बेहतर होगा कि आप हफ्ते में 2-3 बार ही अपने सिर पर शैंपू करें। इससे बालों की सेहत बनी रहती है और वे मजबूत बनते हैं।

### गीले बालों पर कंघी करने की आदत

गीले बालों पर कंघी करना भी बालों के झड़ने का एक कारण हो सकता है। दरअसल, गीले बाल कमजोर होते हैं और उन पर ज्यादा दबाव पड़ने से वे टूट सकते हैं। इसलिए गीले बालों पर कंघी करने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप गीले बालों को सूखे तौलिये से हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इसके बाद जब बाल थोड़े सूख जाएं तब ही कंघी करें, इससे बाल टूटने की संभावना कम हो जाएगी।

### कंडीशनर का गलत तरीके से इस्तेमाल करना

बालों की देखभाल के लिए कंडीशनर का इस्तेमाल करना जरूरी है, लेकिन इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर बालों को नुकसान भी पहुंच सकता है। कई लोग पूरे सिर पर कंडीशनर लगा लेते हैं, जबकि इसे सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए। इसके अलावा सिर की जड़ों पर कंडीशनर लगाने से सिर की त्वचा चिपचिपी हो जाती है, जिससे बाल झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी गलतियों से बचकर बालों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

### गर्म पानी से सिर धोना

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

### गर्म पानी से सिर धोना

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

# शरीर में दर्द है? इन 5 घरेलू नुस्खों को अपनाएं, जल्द मिलेगी राहत

शरीर में दर्द होना एक आम समस्या है, खासकर जब हम लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठते हैं या काम करते हैं। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि मांसपेशियों का खिंचाव, गलत मुद्रा में बैठना या उठना-बैठना। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से जल्द राहत पा सकते हैं और अपने दैनिक जीवन में आराम महसूस कर सकते हैं।

### गर्म पानी की सिकाई करें

गर्म पानी की सिकाई एक पुरानी और असरदार विधि है, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद करती है। इसके लिए एक गर्म पानी की बोतल लें और उसे दर्द वाले हिस्से पर रखें। यह गर्माहट खून के प्रवाह को बढ़ाती है, जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द कम होता है। इस विधि का उपयोग आप पीठ, गर्दन या किसी भी हिस्से के दर्द के लिए कर सकते हैं। यह तरीका सुरक्षित और आसान है।

### तुलसी की चाय पिएं

तुलसी की चाय न केवल स्वादिष्ट होती है बल्कि इसमें सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। यह चाय पीने से आपके शरीर को अंदरूनी रूप से ताकत मिलती है और दर्द में राहत मिलती है। रोजाना इस चाय का सेवन करने से आपको अधिक ऊर्जा और ताजगी महसूस होगी।

### अदरक का रस निकालकर पीएं

अदरक का रस प्राकृतिक दर्द निवारक होता है, जो सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए ताजा अदरक काटकर उसका रस निकाल लें या कद्दूकस कर लें। अब इस रस को एक गिलास पानी में मिलाकर पी लें। यह उपाय खासकर मांसपेशियों के दर्द और सूजन के लिए फायदेमंद होता है। अदरक के इस नुस्खे से आपका दर्द जल्दी कम होगा और आप अधिक आराम महसूस करेंगे।

### हल्दी वाला दूध पिएं

हल्दी वाला दूध एक पारंपरिक नुस्खा है, जिसे पुराने समय से ही उपयोग किया जा रहा है। इसमें हल्दी का खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक गिलास दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर उबालें और इसे गर्मागर्म पिएं। यह उपाय न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि आपके शरीर को अंदरूनी रूप से ताकत भी देता है और दर्द में राहत प्रदान करता है।

### लहसुन की कली चबाएं

लहसुन एक शक्तिशाली औषधीय पौधा है, जिसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो दर्द निवारण में सहायक होते हैं। इसके लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक-दो लहसुन की कली चबाकर खाएं या इसे पानी के साथ निगल लें। यह उपाय आपके पाचन तंत्र को भी सुधारता है और शरीर की ऊर्जा बढ़ाता है। इन सरल और असरदार घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप अपने शरीर के दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

# 'सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकॉनमी रहेगा भारत', मिडिल ईस्ट तनाव से भी नहीं थमेगी रफ्तार, वर्ल्ड बैंक ने लगाई मुहर

## विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य पूर्व में तनाव के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

मध्य पूर्व में तनाव के कारण आए आर्थिक झटकों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह बयान वर्ल्ड बैंक की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दिया गया। साथ ही, देश की विकास दर में भी बढ़ोतरी की।

अपनी ताजा ग्लोबल इकोनोमिक प्रॉस्पेक्टस रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने भारत की विकास दर को 2026 के लिए बढ़कर 6.6 प्रतिशत कर दिया है, जो कि जनवरी के अनुमान में 6.5 प्रतिशत थी। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने 2027 के लिए विकास दर अनुमान को 7.12 प्रतिशत पर निर्धारित किया है, जो कि पहले 6.6 प्रतिशत था। इसकी वजह उम्मीद से अधिक घरेलू मांग और अर्थव्यवस्था का मजबूत होना है।

### दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

मीडिया से बातचीत में वर्ल्ड बैंक के डिप्टी चीफ इकोनॉमिस्ट आयहान कोसे ने कहा कि इस दौरान भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

भारत के आर्थिक प्रदर्शन और मध्य पूर्व संकट के असर के बारे में आईएएनएस के सवाल का जवाब देते हुए, कोसे ने कहा कि बेहतर अनुमान घरेलू मांग में 'उम्मीद से अधिक मजबूत गति' को दिखाता है, जो अब तक मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बुरे असर की भरपाई से कहीं ज्यादा है।

### क्षेत्रीय विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर 6.3 प्रतिशत होने की उम्मीद

वर्ल्ड बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा। हालांकि, एनर्जी की ज्यादा कीमतों और संघर्ष के व्यापक असर के कारण 2025 में क्षेत्रीय विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर 6.3 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

कोस ने कहा कि अनिश्चित वैश्विक माहौल के बावजूद भारत के आर्थिक आधार मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने कहा, 'भारत ने जरूरी नीतिगत उपाय लागू किए हैं। जब हम भारत की बड़ी तस्वीर को देखते हैं, तो उसमें अभी भी जबरदस्त गति दिखाई देती है।'

### वर्ल्ड बैंक ने दी चेतावनी

वर्ल्ड बैंक ने चेतावनी दी कि मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण 2026 में वैश्विक विकास दर 2025 के 2.9 प्रतिशत से घटकर 2.5 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे धीमी गति होगी। तेल की ज्यादा कीमतें बढ़ती महंगाई और कड़े वित्तीय हालात का असर दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने की उम्मीद है। इसके बावजूद, भारत उन कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक था जिनकी रेटिंग में सुधार हुआ। कोस ने कहा कि बेहतर आउटलुक की वजह घरेलू मांग और एक्सपोर्ट में आई तेजी थी।

उन्होंने कहा, 'घरेलू मांग और एक्सपोर्ट में तेजी की वजह से उम्मीद से अधिक ग्रोथ हुई,' और इसी वजह से अनुमान को बढ़ाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लगातार विस्तार की वजह से दक्षिण एशिया दुनिया भर में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बना रहेगा। इस साल सुस्ती के बाद, 2027 में क्षेत्रीय ग्रोथ के 6.9 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। 2028 में भारत की ग्रोथ 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

# लगातार पांचवें महीने बढ़ी महंगाई, मई में 3.93% पंहुचा रिटेल इनफ्लेशन

मई 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.93% पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें महीने की बढ़ोतरी है। खाद्य पदार्थों, ईंधन और सेवाओं की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को बढ़ाया है, जिससे आम लोगों के बजट पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

देश में महंगाई एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है। मई 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह लगातार पांचवां महीना है जब महंगाई दर में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि यह अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 4 फीसदी के लक्ष्य के आसपास है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आने वाले महीनों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

### इस साल की सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में महंगाई में हुई बढ़ोतरी इस साल की सबसे तेज मासिक वृद्धि है। जनवरी में महंगाई 2.74 फीसदी थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मई में 3.93 फीसदी तक पहुंच गई। इससे साफ है कि कीमतों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

### खाद्य महंगाई बनी सबसे बड़ी वजह

महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी रही। मई में खाद्य महंगाई बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जबकि अप्रैल में यह 4.20 फीसदी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 4.85 फीसदी रही, जो शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि सब्जियों और अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के बजट पर दबाव बढ़ाया है।

### रेस्तरां और सेवाएं भी हुईं महंगी

खाद्य वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। रेस्तरां और खाने-पीने से जुड़ी सेवाओं की महंगाई 5.7 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। इससे बाहर खाना खाना और होटल सेवाओं का उपयोग करना पहले की तुलना में अधिक महंगा हो गया है।

### ईंधन कीमतों का भी पड़ा असर

मई के दौरान ईंधन कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हुई, जिसका असर परिवहन लागत पर पड़ा। बढ़ते ईंधन खर्च के कारण माल ढुलाई महंगी हुई और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी दिखाई दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने भी महंगाई को बढ़ाने में भूमिका निभाई है।

### RBI और सरकार की बढ़ी चिंता

महंगाई में लगातार बढ़ोतरी के बाद RBI और सरकार की चिंता भी बढ़ गई है। केंद्रीय बैंक पहले ही चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई अनुमान बढ़ा चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाद्य और ईंधन कीमतों में तेजी जारी रहती है तो आने वाले महीनों में महंगाई 4 फीसदी के स्तर को पार कर सकती है।

### आम लोगों पर क्या होगा असर?

महंगाई बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। खाद्य पदार्थ, ईंधन और परिवहन सेवाएं महंगी होने से घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि महंगाई अभी RBI की निर्धारित सीमा के भीतर है, लेकिन लगातार बढ़ता रुझान संकेत दे रहा है कि आने वाले महीनों में खर्च और बढ़ सकता है। ऐसे में उपभोक्ताओं और नीति निर्माताओं दोनों की नजर अब खाद्य कीमतों, मानसून और वैश्विक तेल बाजार पर बनी रहेगी।

# ईरान से पीस डील फाइनल, अब इन देशों से जंग लड़ने की तैयारी में अमेरिका

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के साथ समझौते के बाद अब अमेरिका की तैयारी इन तीन देशों से युद्ध लड़ने की बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि पेंटागन ने इसको लेकर प्लान भी तैयार कर लिया है। जिन देशों के साथ अमेरिका के संभावित संघर्ष की चर्चा हो रही है, उनमें क्यूबा, कोलंबिया और पेरू शामिल हैं। ये तीनों देश अमेरिका के कट्टर विरोधी माने जाते हैं। क्यूबा को लेकर अमेरिका पहले भी खुलकर चेतावनी दे चुका है।

आजादी के बाद से अब तक अमेरिका छोटे-बड़े लगभग 400 युद्धों और सैन्य अभियानों में शामिल रहा है। उसके इतिहास में अब तक केवल 13 वर्ष ऐसे रहे हैं, जब वह किसी न किसी सैन्य संघर्ष या युद्ध में शामिल नहीं था।

### इन देशों से युद्ध की तैयारी में अमेरिका

1- क्यूबा- कम्युनिष्ट सरकार वाली क्यूबा अमेरिका की रडार पर है। यहां के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने इनाम घोषित किया है। अमेरिका क्यूबा के आसपास अपने जहाजों की बाड़ेबंदी की है। 10 जून को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक बयान में कहा- पेंटागन क्यूबा से जुड़े किसी भी संभावित परिस्थिति के लिए तैयार है।

इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा को फेल्ड स्टेट बताया। रुबियो के मुताबिक वर्तमान सरकार क्यूबा को नहीं सुधार सकती है। दरअसल, लंबे वक्त से क्यूबा के कम्युनिष्ट अमेरिका की मुसीबत बढ़ा रहे हैं।

2- कोलंबिया- जनवरी 2026 में कोलंबिया पर सैन्य कार्रवाई की बात अमेरिका के राष्ट्रपति ने कही थी, लेकिन इसके बाद मामला शांत हो गया। अब कोलंबिया पर ट्रंप की फिर से नजर है। कोलंबिया दक्षिणी अमेरिकी देश है, जिसे अमेरिका का विरोधी माना जाता है। कोलंबिया के राष्ट्रपति के खिलाफ अमेरिका के राष्ट्रपति कई मौकों पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं।

3- पेरू- अमेरिका और पेरू के बीच पहले संबंध बेहतरीन थे, लेकिन यहां पर कम्युनिष्टों के बढ़ते प्रभाव ने वाशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में पेरू चुनाव के दौरान ट्रंप ने वहां की जनता को सीधी चेतावनी दी थी। ट्रंप ने कहा था कि यहां पर कम्युनिष्टों की सरकार नहीं आनी चाहिए। इसके बावजूद पेरू में कम्युनिष्ट नेता जीतने में कामयाब होते दिख रहे हैं।

### अमेरिका के धुर-विरोधी हैं ये देश

चीन, रूस, उत्तर कोरिया जैसे देशों को अमेरिका का धुर-विरोधी माना जाता है। इसके अलावा वेनेजुएला, कोलंबिया, मेक्सिको, पेरू, ब्राजील भी अमेरिका का दुश्मन देश है। इन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं। ऐसे में इन देशों पर हमेशा से अमेरिकी हमले का खतरा मंडराता रहता है। ईरान मामले में अमेरिका ने बिना बताए तेहरान पर हमला कर दिया था।

# खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान एयर फोर्स का ट्रेनी विमान क्रैश, 2 पायलटों की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान एयर फोर्स का एक ट्रेनी विमान खैबर पख्तूनख्वा के मरदान इलाके में गिर गया। हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई, जबकि सड़क पर मौजूद तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया। पाकिस्तान एयर फोर्स ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि विमान गिरने की वजह पता चल सके। इस दुर्घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान ने रेगुलर ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान ही उसमें कोई समस्या आई और वह सीधे सड़क पर जा गिरा। विमान के गिरते ही जोरदार धमाका हुआ और आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के बाद मौके से काले धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। विमान के टुकड़े भी आसपास बिखर गए। पायलटों को शव भी सड़क पर बिखर गए। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने हताहतों की पुष्टि की है। मृत पायलटों की पहचान कैप्टन कासिम अब्दुल्ला और लेफ्टिनेंट ताहा अब्बासी के तौर पर हुई है।

### पांच दिन पहले हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ था

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और सेना के अन्य सीनियर अफसरों ने इस घटना पर दुख जताया है और मृतक पायलटों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब पांच दिन पहले भी पाकिस्तान सेना का एक हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ था। मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी के कारण सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले 20 मई को पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में एक और लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। माना जा रहा है कि यह होंगडू जेएल-8 ट्रेनिंग विमान था, जो मियांवाली के पास गिरा। हालांकि दोनों पायलट सुरक्षित रूप से इजेक्ट करने में कामयाब रहे।

# संकट से बाहर निकले 20 भारतीय क्रू मेंबर्स, मस्कट से भारत के लिए रवाना

**तेहरान, एजेंसी।** होर्मुज स्ट्रेट में MT जलवीर पर 11 जून को हमला हुआ था। इस हमले के बाद अब जहाज पर मौजूद 20 भारतीय क्रू सदस्यों को मस्कट से भारत वापस लाया जा रहा है। ओमान में भारत के राजदूत ने सोशल मीडिया एक्स पर क्रू सदस्यों की वापसी से पहले उनसे हुई बातचीत की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कहा, "11 जून 2026 को जहाज के साथ हुई घटना के बाद ओमान के अधिकारियों के साथ बातचीत की। फिर, क्रू सदस्यों को सुरक्षित रूप से किनारे पर लाया गया। भारतीय दूतावास मुश्किल में फंसे भारतीय नागरिकों को तुरंत मदद और सहयोग देने और उनकी सुरक्षित घर वापसी की जिम्मेदारी लेता है।"

पलाऊ झंडे वाले टैंकर MT सेटेबेल्लो पर हुए हमले में 3 भारतीय नाविक लापता हो गए थे। इनकी मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस घटना के एक दिन बाद भारत की तरफ से आधिकारिक तौर पर नाराजगी जताई। नई दिल्ली ने ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हो रहे लगातार हमलों पर गहरी चिंता जताई। भारत ने आम नागरिक जहाजों पर हमला करने का सख्त विरोध किया। विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा, आम नागरिकों के जहाजों पर जानलेवा हमले बिल्कुल स्वीकार नहीं हैं। ये हरकतें अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं।

### 3 भारतीय नाविकों की हुई थी मौत

यह बढ़ता हुआ राजनयिक विवाद होर्मुज स्ट्रेट के क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच उस समय बढ़े तनाव की वजह से हुआ है। दोनों के बीच तनाव बढ़ने से कमर्शियल जहाजों पर कई हमले हुए। इनमें सबसे गंभीर घटना MT सेटेबेलो नामक टैंकर की है। ये टैंकर 24 भारतीय नाविकों को ले जा रहा था। पिछले हफ्ते ओमान के तट के पास अमेरिकी हमले में यह टैंकर टकरा गया।

भारतीय और ओमानी अधिकारियों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया, जिसमें 21 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। लेकिन, बाद में 3 नाविकों की मौत हो गई। इस घटना के तुरंत बाद नई दिल्ली ने बुधवार को अमेरिकी राजनयिक को तलब किया और कहा कि ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

# कमर्शियल जहाजों पर हर 6 में से 1 नाविक भारतीय, हमले में मौत के बाद ड्यूटी को लेकर नई एडवाइजरी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** दुनिया भर में करीब 3.5 लाख भारतीय नाविक जहाजों पर काम करते हैं। भारत सरकार के मुताबिक, इनमें से आधे से ज्यादा फिलहाल एक्टिव सर्विस में हैं और ज्यादातर विदेशी झंडे वाले जहाजों पर तैनात हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो बड़े व्यापारिक जहाजों पर काम करने वाले हर 6 नाविकों में से 1 भारतीय है। इंटरनेशल मेरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन (IMO) के मुताबिक, फारस की खाड़ी में फिलहाल लगभग 20 हजार नाविक अलग-अलग जहाजों पर फंसे हुए हैं। वहीं भारत के डॉरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग के मुताबिक, ईरान युद्ध शुरू होने के समय करीब 23 हजार भारतीय नाविक इस पूरे क्षेत्र में जहाजों और समुद्री सुविधाओं पर काम कर रहे थे। इनमें आधे से ज्यादा UAE में तैनात हैं। हाल ही में अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद भारत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। DG शिपिंग ने सभी समुद्री भर्ती एजेंसियों को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक नाविकों को संघर्ष वाले इलाकों में भारतीय नई ड्यूटी पर न भेजा जाए। सरकार ने होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी में चलने वाले जहाजों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने को कहा है। जरूरत पड़ने पर क्रू बदलने की अनुमति होगी, लेकिन इसके लिए नाविकों की सहमति जरूरी होगी। 8, 10 और 11 जून को अमेरिकी नेवी ने मारिवेक्स, सेटेबेलो और जलवीर नाम के तीन व्यापारिक जहाजों पर हेलफायर मिसाइलों से हमला किया था। मारिवेक्स और जलवीर में किसी की मौत नहीं हुई, लेकिन सेटेसेबेलो पर तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई। इनमें एक चीफ इंजीनियर, एक इंजन फिटर और एक डेक कैडेट शामिल थे।

### शिप कंपनी ने अमेरिकी आरोपों को गलत बताया

अमेरिकी सेना का कहना है कि ये जहाज ईरानी तेल से जुड़े प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहे थे और अमेरिकी निर्देश नहीं मान रहे थे। हालांकि सेटेबेलो का संचालन करने वाली कंपनी IOS Marine FZE ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी का कहना है कि जहाज करीब 10 दिन से एक ही जगह खड़ा था, उसे अमेरिकी नौसेना की कोई चेतावनी नहीं मिली थी और उसका ईरानी तेल या ईरानी बंदरगाहों से कोई संबंध नहीं था। इन घटनाओं के बाद भारत ने अमेरिका के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर हमले करना सही नहीं है।

# अकाली दल का छोटा भाई बनकर नहीं रहेगी बीजेपी, गठबंधन पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने साफ की तस्वीर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने अकाली दल के साथ बीजेपी के गठबंधन पर बड़ा बयान दिया। लुधियाना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब BJP अकाली दल का छोटा भाई बनकर गठबंधन नहीं करेगा। उन्होंने साफ कहा कि अगर गठबंधन होगा तो बराबरी के आधार पर होगा, "छोटे-बड़े भाई" वाली राजनीति अब नहीं चलेगी। साथ ही तेल और LPG के लिए भी उन्होंने सप्लाई पूरी होने की बात कही है।

हरदीप पुरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार के रिकॉर्ड भी बताए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री बन गए हैं जो सबसे लंबे समय तक इस पद पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने देश की इकॉनमी को बेहतर बनाने के लिए कई काम किए हैं। उन्होंने बताया कि पेट्रोल और डीजल की सप्लाई में कोई कमी नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब हम अपनी LPG खुद बना रहे हैं, पहले हम कम बांटते थे, अब हमने इसकी कैपेसिटी बढ़ा दी है ताकि, हम विदेशों पर निर्भर न रहें।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हमारी सप्लाई चेन में कोई कमी नहीं है। हम लोगों को पाइप्ड गैस इस्तेमाल करने के लिए मोटिवेट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फ्लेक्स फ्यूल शुरू किया गया है। इस फ्यूल के लिए कई हीरो मोटरसाइकिल और सुजुकी गाड़ियां असरदार हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि पेमेंट की दिक्कतों के कारण ईरान से आ रहे कच्चे तेल के कार्गो को भारत के वाडिनार से चीन की ओर मोड़े जाने की खबरें और सोशल मीडिया पोस्ट गलत हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में सप्लाई में रुकावट के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान समेत कई जगहों से अपनी कच्चे तेल की जरूरतें पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात में पेमेंट की कोई दिक्कत नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं।

# अमेजन पर भड़के वकील और हिंदू संगठन, महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के अपमान पर भेजा कानूनी नोटिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया एक बार फिर विवादों में घिर गई है। प्राचीन भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट की आपत्तिजनक प्रस्तुति को लेकर वकीलों और हिंदू जनजागृति समिति ने कंपनी को कानूनी नोटिस भेजा है। मुंबई हाईकोर्ट के तीन वकीलों ने मुंबई पुलिस आयुक्त से शिकायत कर इस मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। आरोप है कि व्यावसायिक लाभ के लिए भारत की वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विरासत का उपहास किया गया है।

अमेज़न की "अमेजन नाऊ" सेवा के प्रचार से जुड़े एक विज्ञापन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हिंदू जनजागृति समिति का आरोप है कि विज्ञापन में महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट की छवि को हास्य और व्यंग्य के माध्यम से इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है, जिससे उनकी गरिमा और भारत की प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा का अपमान हुआ है।

## अमेजन इंडिया को कानूनी नोटिस

समिति की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में काम करने वाले एडवोकेट अमिता सचदेवा ने अमेजन इंडिया को कानूनी नोटिस भेजा है। साथ ही 48 घंटे के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने और संबंधित विज्ञापन को सभी प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की है। नोटिस में कहा गया है कि अगर निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं की गई तो कंपनी के खिलाफ दीवानी और आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

हिंदू जनजागृति समिति ने कहा कि आर्यभट्ट केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि भारत की वैज्ञानिक चेतना और ज्ञान परंपरा के प्रतीक हैं। आर्यभट्ट को गणित में "शून्य" की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने और खगोल विज्ञान में अहम योगदान के लिए विश्वभर में सम्मान दिया जाता है। हालांकि, इतिहासकारों के बीच शून्य के आविष्कार और उसके विकास को लेकर विभिन्न मत मौजूद हैं, लेकिन भारतीय गणित के विकास में आर्यभट्ट का योगदान निर्विवाद माना जाता है।

## 'करोड़ों भारतीयों की भावनाएं आहत हुई'

समिति का आरोप है कि ऐसे महापुरुष को केवल व्यावसायिक प्रचार के लिए हास्य पात्र के रूप में प्रस्तुत करना भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव के खिलाफ है। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। मुंबई हाईकोर्ट के अधिवक्ता आशीष राय, पंकज मिश्रा और प्राची पांडे ने मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती को शिकायत सौंपकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि विज्ञापन में आर्यभट्ट की छवि को इस प्रकार दिखाया गया है जिससे करोड़ों भारतीयों की भावनाएं आहत हुई हैं।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि भारत की वैज्ञानिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले महापुरुष का व्यावसायिक विज्ञापन में इस प्रकार इस्तेमाल करना आपत्तिजनक है। इसकी जांच कर संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। हिंदू जनजागृति समिति ने अपने नोटिस में यह भी उल्लेख किया है कि अतीत में भी अमेजन पर भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों के अनुचित उपयोग के आरोप लगते रहे हैं। समिति का कहना है कि कंपनियों को व्यावसायिक हितों के लिए राष्ट्रीय महापुरुषों, धार्मिक प्रतीकों और सांस्कृतिक धरोहरों के इस्तेमाल में ज्यादा संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। फिलहाल, इस पूरे विवाद पर अमेजन इंडिया की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सभी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि कंपनी इस नोटिस और शिकायत पर क्या रुख अपनाती है?

# टॉम क्रूज के लिए क्रेजी हुईं फराह खान, हॉलीवुड सुपरस्टार के पोस्ट पर लिखी दिल की ख्वाहिश

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की दीवानगी पूरी दुनिया में हैं। भारत में भी उनके तमाम चाहने वाले हैं। इस लिस्ट में चर्चित कोरियोग्राफर फराह खान भी शामिल हैं।

कोरियोग्राफर, निर्देशक और व्लॉगर फराह खान हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज के लिए क्रेजी हैं। सुपरस्टार के लिए उनकी दीवानगी किस कदर है, इसका अंदाजा उनके हालिया कमेंट से लगाया जा सकता है। दरअसल, टॉम क्रूज के पोस्ट पर फराह खान की टिप्पणी ने ध्यान खींचा है। उन्होंने ऐसा क्या लिखा है? जानिए

## टॉम क्रूज ने की स्पिलबर्ग की तारीफ

हुआ यह कि टॉम क्रूज ने हाल ही में स्टीवन स्पिलबर्ग की हालिया रिलीज फिल्म 'डिस्क्लोजर डे' को लेकर पोस्ट साझा किया है। यह साइंस फिक्शन थ्रिलर मूवी 12 जून को रिलीज हुई। टॉम क्रूज ने फिल्म का लुत्फ उठाया और उन्होंने इसकी तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसी पोस्ट पर फराह खान का कमेंट आया है।

## फराह खान ने क्या लिखा?

टॉम क्रूज दर्शकों से खचाखच भरे थिएटर में स्पिलबर्ग की फिल्म देखने पहुंचे। उन्होंने इसकी झलक भी साझा की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि टॉम क्रूज के हाथो में स्पिलबर्ग का बस्ट (अर्ध प्रतिमा) है। इसे देख फराह खान ने अपनी ख्वाहिश जाहिर की है। उनकी तमन्ना है कि टॉम क्रूज के हाथों में लगी वह प्रतिमा काश कोरियोग्राफर की होती। फराह ने लिखा है, 'टॉम तुम बेस्ट हो! काश कि ऐसा होता, तुमने जो बस्ट थामा हुआ है, वह मैं होती'।

## टॉम क्रूज ने 'डिस्क्लोजर डे' पर क्या लिखा?

बता दें कि साझा किए गए पोस्ट में टॉम क्रूज ने 'डिस्क्लोजर डे' के लिए लिखा है, 'दोस्तों के साथ खचाखच भरे थिएटर में गर्मियों की शाम को स्पीलबर्ग की फिल्म देखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। स्टीवन, सिनेमा में हमें इतनी सारी खुशियां देने के लिए आपका शुक्रिया। आपके साथ काम करना और आपको अपना दोस्त कहना मेरे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात रही है। मेरी प्यारी दोस्त एमिली और इस फिल्म को बनाने वाले सभी कलाकारों को बधाई। आप सबने कमाल का काम किया। हम सभी को 'डिस्क्लोजर डे' बहुत पसंद आई'।

# '370 की बिरयानी' वाले मामले पर प्रणित मोरे ने फिर मांगी माफी, कहा– मैं इस नफरत का हकदार हूं

'370 की बिरयानी' वाले वायरल क्लिप पर ऑनलाइन हो रही आलोचनाओं के बीच स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे ने फिर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वे इस आलोचना के हकदार हैं और लोगों से एक और मौका देने की गुजारिश की। बिरयानी वाले विवाद पर प्रणित ने पहले ही माफी मांगी थी।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में मोरे ने कहा 'मैं आप सभी से इस बारे में बात करना चाहता था, लेकिन मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड हो गया था। आपने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा क्राउड-वर्क वीडियो देखा होगा। इसकी वजह से मुझे बहुत नफरत मिल रही है।'

## मोरे ने मानी गलती

कॉमेडियन ने माना कि परफॉर्मेंस के दौरान जब गलत बातें कही गईं, तो उन्होंने दखल न देकर गलती की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इस नफरत का हकदार हूं। क्राउड-वर्क सेशन के दौरान, उस आदमी ने कई अपमानजनक बातें कहीं। सब हंस रहे थे और मैं भी बहक गया। यह मेरी समझ की कमी थी। मेरा मानना है कि यह मेरी सबसे बड़ी गलती थी। मैं उस समय स्टैंड ले सकता था लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।'

## मोरे ने मांगा मौका

मोर ने माना कि उनके रिएक्शन से उन बातों को बढ़ावा मिला और स्थिति और बिगड़ गई। मोरे ने आगे कहा 'मैंने उन बातों को मंच दिया और वहां से मामला और बिगड़ गया। मैं उन सभी से माफी मांगना चाहता हूं, जिन्हें इससे दुख पहुंचा है। जो भी कानूनी कार्यवाही चल रही है, उसमें मैं अधिकारियों का सहयोग कर रहा हूं। मैं आप सभी से एक मौका देने का अनुरोध करता हूं। मैं एक बेहतर इंसान बनूंगा। मैं खुद पर और अपने कंटेंट पर काम कर रहा हूं। आप इसे मेरे भविष्य के काम में देखेंगे।'

## महिला आयोग ने किया तलब

गुरुग्राम में एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने गुरुवार को मोर और वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा को तलब किया है। आयोग ने कहा कि टिप्पणियों से ऐसा लग रहा था कि वे यौन उत्पीड़न और महिला के साथ बिना सहमति के किए गए व्यवहार को सही ठहरा रहे हैं।

# अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट कर डालीं 12 शॉर्ट फिल्में, बोले– 'बाकी सब चलता रहेगा, ये रुकना नहीं चाहिए'

अमिताभ बच्चन को इंडस्ट्री का शहंशाह यूं ही नहीं कहा जाता है। 80 पार की उम्र में भी वे अपनी एनर्जी से लोगों को हैरान कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक दिन में दो या तीन नहीं, बल्कि पूरी 12 फिल्मों की शूटिंग निपटा डाली।

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।

## 12 शॉर्ट फिल्में और दो स्टिल, एक दिन में पूरे

अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'।

## बोले- 'ये रुकना नहीं चाहिए'

आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। काम वाले दिन से पहले कई दिनों की तैयारी के बाद भी, पूरी लगन से पढ़ाई करना'। बिग बी ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे स्क्रिप्ट पढ़ते दिख रहे हैं।

## 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में नजर आएंगे

अमिताभ बच्चन अपने फैंस को प्यार से अपना एक्सटेंडेड फैमिली (ईएफ) कहते हैं। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में लिखा कि काम ही काम है और लोगों से जुड़े रहने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने लिखा, 'पूरी लगन से अध्ययन करना चाहिए। काम वाले दिन से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए और परिस्थितियों या हालात से कभी समझौता नहीं करना चाहिए, चाहे एयर कंडीशंड पायजामा ही क्यों न पहन रखा हो'। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक साइंस-फिक्शन फिल्म में प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

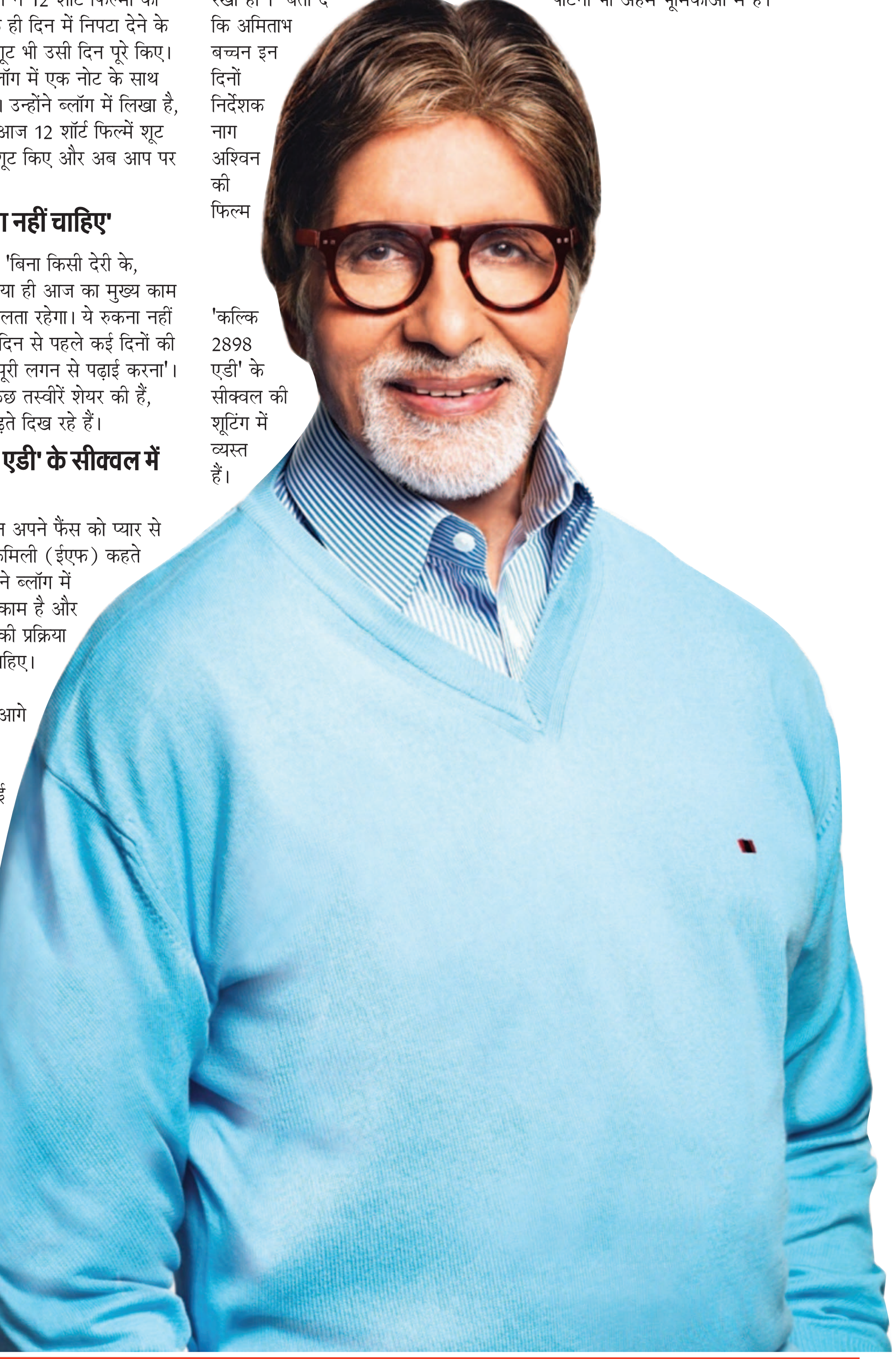

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com

*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com